▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 335 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 05-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 उप्र में अगले साल विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलेगा : नितिन

6 'मिशन कामयाब हो, मुझे अपने घावों की बिल्कुल परवाह नहीं'

7 मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाएं खिलौना उद्योग : गोयल

फर्स्ट टेक

दिल्ली दंगे साजिश मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में छात्र कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। अदालत ने कहा कि उसके पास उच्चतम न्यायालय के पांच जनवरी के आदेश का पालन करने के अलावा ''कोई विकल्प नहीं'' है, और इसलिए यह न तो याचिकाओं पर विचार कर सकती है और न ही उन्हें कोई राहत दे सकती है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने कहा कि ये जमानत याचिकाएं सुनवाई अदालत के समक्ष विचारणीय नहीं हैं। न्यायाधीश ने कहा, ''इस अदालत के पास उच्चतम न्यायालय के पांच जनवरी, 2026 के उस फैसले को मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, जिसके तहत दोनों याचिकाकर्ताओं की याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं।''

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट के बंगाल प्रमुख पद से इस्तीफा दिया

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी गुट को एक और झटका उस समय लगा, जब पार्टी की बंगाल प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पार्टी की विधानसभा चुनाव में हार के बाद भट्टाचार्य को संगठन की अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने के बमुश्किल एक महीने बाद ही उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में भट्टाचार्य ने पार्टी में अपने सभी अन्य पदों से भी इस्तीफा दे दिया, जिससे यह अटकलें शुरू हो गईं कि क्या उन्होंने असल में ममता बनर्जी खेमे से अपने सभी संबंध तोड़ लिये हैं।

भारत-पेरू मुक्त व्यापार समझौता जल्द होने की संभावना नहीं : पीयूष गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कुछ उत्पादों में बाजार पहुंच संबंधी चिंताओं के कारण भारत-पेरू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चल रही बातचीत के जल्द संपन्न होने की संभावना नहीं है। गोयल ने यहां आयोजित 17वें 'टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो' से इतर संवाददाताओं से कहा, कुछ चिंताएं हैं। कई ऐसे उत्पाद हैं जहां हम उन्हें बाजार पहुंच की अनुमति नहीं दे सकते। मुझे नहीं लगता कि पेरू के साथ एफटीए बहुत जल्द होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत और पेरू के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए बातचीत साल 2017 में शुरू हुई थी।

05-07-2026 सूर्यास्त 6:50 बजे | 06-07-2026 सूर्योदय 6:00 बजे

BSE	NSE
77,763.91	24,270.85
(+ 261.79)	(+95.15)

सोना	चांदी
15,106 रु.	243,100 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाजिर हो

जनप्रतिनिधि का दायित्व यही,
कर्तव्यों पर वे रहे स्थित।
बहुमूल्य वोट देकर उनको,
हमने चाहा जन-जन का हित।
संसद है पूजा स्थल उनका,
जब खुले रहे तब हाजिर नित।
वर्ना पूछेगी जनता अब,
क्यों रहे सदन से अनुपस्थित।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में नवनिर्मित रिफाइनरी का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पचपदरा (बालोतरा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बालोतरा में नवनिर्मित रिफाइनरी का शनिवार को उद्घाटन किया। मोदी ने साथ ही बालोतरा के पचपदरा में भारत के पहले 'ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर' को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने इसे भारत के ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने इस मौके पर जयपुर मेट्रो रेल परियोजना फेज-2 का भी रिमोट के जरिये शिलान्यास किया। उन्होंने बालोतरा में आयोजित कार्यक्रम में एक लाख पांच हजार करोड़ रुपए के विभिन्न कार्यों का शिलान्यास/उद्घाटन और लोकार्पण किया।

आधिकारिक बयान के अनुसार हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित 90 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) की क्षमता वाले इस ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर की स्थापना 79,450 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से की गई है। बयान के अनुसार इस अत्याधुनिक परिसर में शोधन और पेट्रोकेमिकल उत्पादन की सुविधाओं को एकीकृत किया गया है जिसकी पेट्रोकेमिकल क्षमता 24 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। इस रिफाइनरी का नेल्सन कॉम्प्लेक्सिटी इंडेक्स 17.0 है और पेट्रोकेमिकल उत्पादन 26 प्रतिशत से अधिक है, जो दक्षता और स्थिरता के वैश्विक मानकों के अनुरूप है।

इसके अनुसार यह परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, पेट्रोकेमिकल आत्मनिर्भरता बढ़ाने और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। बयान के अनुसार यह क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल और प्लास्टिक पार्क के विकास के लिए एक आधार उद्योग के रूप में कार्य करेगी जिससे संबंधित उद्योगों और सहायक क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। यह रिफाइनरी रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा करने के लिए तैयार है, जिससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला रखी जिसकी कुल लागत 13,000 करोड़ रुपए से अधिक है। दूसरे चरण के तहत, प्रह्लादपुरा से तोड़ी मोड़ तक 41 किलोमीटर लंबा उत्तर-दक्षिण मेट्रो कॉरिडोर विकसित किया जायेगा जो सीतापुरा और विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र (वीकेआई) के औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों को 36 स्टेशनों के माध्यम से जोड़ेगा। प्रधानमंत्री ने जोधपुर रिंग रोड के खंड-2 (करवड़-डांगियावास) पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-125ए के चार लेन के निर्माण का भी उद्घाटन किया।

गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान के 23 व्यक्तियों को यूएपीए के तहत 'आतंकवादी' घोषित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वर्ष 2019 में इस कानून में संशोधन कर यह प्रावधान जोड़ा गया था कि केवल संगठन ही नहीं, बल्कि आतंकियों को भी सूची में शामिल किया जा सकता है। इससे पहले केवल संगठनों को ही आतंकवादी संगठन घोषित किया जा सकता था। शनिवार को सूची में शामिल किए गए 23 पाकिस्तानी आतंकियों में से कई जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हमलों में शामिल रहे हैं।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान में मौजूद 23 व्यक्तियों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के तहत शनिवार को ''आतंकवादी'' घोषित किया। ये लोग पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और अन्य आतंकी संगठनों से हैं। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई है। यूएपीए के तहत केंद्र सरकार को यह अधिकार है कि यदि उसे लगता है कि कोई व्यक्ति आतंकवाद में शामिल है, तो वह उसे आतंकवादी घोषित कर सकती है। इन नामों को सूची में शामिल करने से राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को उनके वित्तीय संसाधनों पर रोक लगाने, हथियारों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने और संपत्तियों को जब्त करने जैसी कार्रवाई करने में मदद मिलती है।

वर्ष 2019 में इस कानून में संशोधन कर यह प्रावधान जोड़ा गया था कि केवल संगठन ही नहीं, बल्कि आतंकियों को भी सूची में शामिल किया जा सकता है। इससे पहले केवल संगठनों को ही आतंकवादी संगठन घोषित किया जा सकता था। शनिवार को सूची में शामिल किए गए 23 पाकिस्तानी आतंकियों में से कई जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हमलों में शामिल रहे हैं। इसके बाद इस सूची में नामों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है।

केंद्र सरकार ने जिन लोगों के नाम जोड़े हैं, उनमें जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकियों में मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसद्दिक उर्फ डॉक्टर, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान उर्फ अबू साद, हाफिज अब्दुल शकूर उर्फ कारी जर्रार, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, मौलाना इमदादउल्ला मक्की और वसीम नूर जट शामिल हैं। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकियों में फिरदौस अहमद भट, हारून राशिद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद क्यूम लोन, नज़ीर अहमद गुज्जर, अब्दुल रऊफ उर्फ हाफिज अब्दुल रऊफ, अशफाक अहमद, हाफिज खालिद वलीद, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ तैबी, ओवैस फारूज, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार और मोहम्मद शहीद फैसल शामिल है। फैसल अल-कायदा और आईएसआईएस से भी जुड़ा है।

पूजा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शनिवारको कोलकाता यात्रा के दौरान कालीघाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

संसद का मानसून सत्र 20 से 13 अगस्त तक चलेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में सत्ताधारी भाजपा की जीत के बाद 19 बैठकों वाला यह 25 दिवसीय संसदीय सत्र हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) में हुई बगावत का असर भी आने वाले सत्र में देखने को मिलेगा। तृणमूल के 20 तथा शिवसेना (उबाठा) के छह सांसदों को अलग गुट के तौर पर मान्यता देने की मांग पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा निर्णय लिया जाना अभी बाकी है।

राज्यसभा में नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित सदस्यों के शपथ लेने के बाद, राजनीतिक समीकरण सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में और झुक गया। तृणमूल के तीन बागी सांसदों ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है और उपचुनाव से भाजपा को उपरी सदन में अपनी ताकत बढ़ाने में मदद मिलेगी।

रीजीजू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि सरकार की संस्तुति पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मानसून सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सत्रों को आहूत करने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णयों के लिए यह सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 13 अगस्त तक चलेगा।'' भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार के लिए पिछला सत्र निराशाजनक रहा, क्योंकि 2029 में विधायिका में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने और लोकसभा में सीट की संख्या बढ़ाने से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक निचले सदन में पारित नहीं हो पाया। सरकार अब इस विधेयक का नया प्रारूप तैयार कर रही है, जिसके तहत सभी राज्यों में लोकसभा सीट की संख्या एक समान रूप से 50 प्रतिशत तक बढ़ाई जा सकती है।

सूर्यवंशी ने तोड़ा तेंदुलकर का रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। बिहार के समस्तीपुर जिले के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को भारतीय क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले देश के सबसे युवा खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने लगभग 37 वर्षों से कायम महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के दौर और बल्लेबाजी शैली में जमीन-आसमान का अंतर है। सचिन ने 16 वर्ष 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उनकी बल्लेबाजी मजबूत रक्षात्मक तकनीक और कलात्मक स्ट्रोक्स के लिए जानी जाती

थी, जो मुंबई की खड़स' क्रिकेट संस्कृति की पहचान मानी जाती है।

सूर्यवंशी ने महज 15 वर्ष 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से भारतीय टीम में पदार्पण किया। उनकी बल्लेबाजी आक्रामक अंदाज की है जो आधुनिक टी-20 क्रिकेट की तेज-तर्रार शैली के अनुरूप है। साल 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची टेस्ट में सचिन का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच सीमित तकनीकी संसाधनों के बीच प्रसारित हुआ था जबकि सूर्यवंशी का हर कदम आधुनिक 4के कैमरों और सोशल मीडिया की निगरानी में आगे बढ़ रहा है। यह भारतीय क्रिकेट और तकनीक के बदलते दौर की तस्वीर भी पेश करता है। आज की युवा पीढ़ी के प्रतिनिधि सूर्यवंशी पहले ही स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के जरिए करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हो चुके हैं। यह भारतीय क्रिकेट के उस सफर का प्रतीक है जिसने पिछले तीन दशकों में वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयां हासिल की हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद, 'मेड-इन-इंडिया' रक्षा उपकरणों पर भरोसा बढ़ा : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद 'मेड-इन-इंडिया' रक्षा उपकरणों पर भरोसा बढ़ा है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि आज हमारा रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गया है, जबकि लगभग 8-9 साल पहले यह करीब 46,000 करोड़ रुपये था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेड-इन-इंडिया रक्षा उपकरणों पर भरोसा बढ़ा है। ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में मई 2025 में भारत द्वारा की गई एक निर्णायक सैन्य कार्रवाई थी। भारत में बनी कई रक्षा प्रणालियों ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी।

सिंह ने कहा, रक्षा निर्यात भी रिकॉर्ड 38,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गया है। यह 2013-14 में सिर्फ 686 करोड़ रुपये था और आज यह 57 गुना बढ़ गया है। मैंने पूरी रिपोर्ट तो नहीं मांगी है, लेकिन मेरा अंदाजा है कि अभी यह आंकड़ा 40,000 करोड़ रुपये के आसपास होगा। उन्होंने अपने संबोधन में पिछले 12 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में भारत की यात्रा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की प्रगति और एआई के दौर में मानवीय संवेदनशीलता के महत्व (जिसमें पत्रकारिता का क्षेत्र भी शामिल है) पर भी बात की। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय हिंदी दैनिक 'नवभारत टाइम्स' के 80 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिल्ली में आयोजित किया गया था। सिंह ने कहा, पिछले 12 वर्षों में भारत की यात्रा अभावों से आत्मनिर्भरता की ओर, आत्मनिर्भरता से

आत्मविश्वास की ओर और आत्मविश्वास से विकसित भारत के निर्माण की ओर रही है।

उन्होंने कहा कि भारत तकनीकी विकास और अपनी परंपराओं को मनाने, दोनों पर जोर देता है और परंपरा एवं तकनीक का यह संगम 21वीं सदी में देश की सबसे बड़ी ताकत है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आज मानव जीवन के लगभग हर पहलू को प्रभावित करने का उल्लेख करते हुए उन्होंने आगाह किया कि एआई आंकड़ों को पढ़ और उनका विश्लेषण तो कर सकती है, लेकिन वह लोगों की नब्ज नहीं पहचान सकती। उन्होंने कहा कि यहीं पर मानवीय संवेदनशीलता और मानवीय समझ की अहम भूमिका सामने आती है। सिंह ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी 'तकनीकी प्रगति से पत्रकारिता' भी प्रभावित हुई है लेकिन ये मानवीय रचनात्मकता और बुद्धि को पीछे नहीं छोड़ पाएंगी। उन्होंने कहा, पत्रकारिता की भावी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह एआई की क्षमताओं और मानवीय सहानुभूति के बीच कितना अच्छा संतुलन और तालमेल स्थापित कर पाती है। जहां एआई पत्रकारिता को तेज और अधिक सटीक बनाएगा, वहीं भावनात्मक बुद्धिमत्ता यह सुनिश्चित करेगी कि यह मानवीय और विश्वसनीय बनी रहे।

सहयोग

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में पवित्र गुफा की तीर्थयात्रा के दौरान श्री अमरनाथ जी के एक यात्री का सहयोग करता जम्मू-कश्मीर पुलिस का जवान।

सहज स्मृति योग

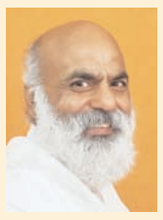

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, गुरु कृपा होती है इसका अनुभव है मुझे।इसलिए, कोई संदेह नहीं रहा। हालांकि, बार-बार स्मृति धोखा खाती रही या देती रही स्वयं को ही।लेकिन, बारम्बार गुरु कृपा से प्राप्त सत्संग से अब मेरी मति स्थिर होती जा रही है। अब जिज्ञासा यह है कि कृपा तो है पर क्या इसे शब्दों में बताया जाना संभव है ? मैं इसलिए भी पूछ रहा हूँ कि आज कल कृपा वहाँ /वहीं से आ रही है ऐसे वाक्य श्रद्धा भाव की तरह तो कम मखौल उड़ाने के लिए बहुत सुने जाते हैं। इसलिए आप यदि यह बता सकें कि इसकी प्रक्रिया क्या है ? यह घटित कैसे होती है ? तो सज्जन समाज में फैली अश्रद्धा का निवारण हो।

उत्तर: जिस मनुष्य को निद्रा, स्वप्न, जागृति तीनों अवस्थाओं में सतत अपने नहीं होने और परमात्मा के सदा होने का बोध एक साथ रहता है वह हमारे या आपके जैसा मनुष्य होते हुए भी तत्वतः मनुष्य नहीं रहता, क्योंकि वह अशरीरी आनंद/चैतन्य में निमग्न रहता है। जब कभी हमारी अंतरात्मा जागृत होकर ऐसे ही किसी मनुष्य से जुड़ जाती है तो हम भी उसी लय में लीन हो जाते हैं । जो 'कृ'तव (विचार)या कृतित्व (कार्य) ऐसे मनुष्यों द्वारा होता है अपनी लयलीनता/ स्मरण /श्रद्धा-भाव/भक्ति-भाव/ समर्पण/तप आदि के अनुपात में हम भी अपनी चेतना में स्वतः वही तादात्म्य 'पा'ते जाते हैं । पूर्व कृत कर्म /प्रारब्ध कटते हुए यही अनुभव नव जीवन बनता जाता है। मोक्ष या सत्कर्म संचय होता जाता है। यही प्रक्रिया है। क्योंकि जीवात्मा अर्थात् हम में और महात्मा में और परमात्मा में भेद भी है और अभेद भी है। हमारी अनुभूति की सघनता ही इस एकत्व(अभेद) और द्वैत(भेद) दोनों का संतुलित विवेक दृष्टि से दर्शन कराती जाती है। शब्दों में इतना तो कहा ही जा सकता है कि, हम में अहर्निश यही संतुलित सद्विवेक बना रहना ही कृपा है ।

अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी के बाद मुंबई में स्कूल, कॉलेज बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट' जारी किए जाने के बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने शनिवार को महानगर के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में दोपहर की पाली के लिए अवकाश घोषित कर दिया। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के एक प्रवक्ता ने बताया कि अत्यधिक भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया।

उन्होंने बताया कि शहर के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच बीएमसी ने नागरिकों से जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलने की अपील की है। आईएमडी ने मुंबई के लिए 'रेड अलर्ट' जारी करते हुए दिन में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी दी। मानसून के देर से पहुंचने के बावजूद देश की वित्तीय राजधानी में इस सप्ताह की शुरुआत से भारी बारिश हो रही है। मुंबई के कई हिस्सों में शनिवार सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। नगर निकाय के अधिकारियों के अनुसार, उपनगरीय लोकल ट्रेन सहित सार्वजनिक परिवहन सेवाएं सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। हालांकि, यात्रियों ने रेल सेवाओं में देरी की शिकायत की है।

मुंबई मेट्रो लाइन 2ए की सेवाएं प्रभावित : मुंबई में भारी बारिश के बीच शनिवार को भीड़भाड़ के समय मेट्रो लाइन 2ए पर तकनीकी खराबी आ जाने से ट्रेनें देरी से चलीं, जिससे बारिश के कारण पहले से ही परेशानी का सामना कर रहे यात्रियों की मुसीबतें और बढ़ गईं। महा मुंबई मेट्रो परिचालन निगम लिमिटेड (एमएमएमओसीएल) ने पुष्टि की कि सेवाएं लगभग 90 मिनट तक बाधित रहीं, लेकिन तकनीकी टीमों ने खराबी को दूर कर दिया, जिसके बाद पूरे गलियारे के दोनों ट्रैक पर ट्रेनों का सामान्य परिचालन बहाल हो गया।

दहिसर पूर्व और अंधेरी पश्चिम के बीच चलने वाली लाइन 2ए पर दहिसर पूर्व और कांदरपाड़ा मेट्रो स्टेशनों के बीच आई तकनीकी खराबी के कारण परिचालन प्रभावित हुआ था। जलभराव की वजह से लगने वाले ट्रैफिक जाम से बचने के लिए मानसून के दौरान यात्रियों द्वारा बड़े पैमाने पर मेट्रो सेवाओं का उपयोग किया जाता है। इससे पहले, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में एमएमएमओसीएल ने कहा था कि दहानुकरवाड़ी और दहिसर पूर्व के बीच ट्रेनों का परिचालन 'सिंगल-लाइन बाई-डायरेक्शनल सिस्टम' (एक ही ट्रैक पर दोनों दिशाओं में आना-जाना) के तहत नियंत्रित रूप से किया जा रहा था।

केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई हिस्सों में शनिवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई, जिससे कई नदियों और बांधों में जलस्तर बढ़ गया, निचले इलाकों में पानी भर गया और संपत्ति को नुकसान पहुंचा। हालात के मद्देनजर अधिकारियों ने अलर्ट जारी किया और एहतियाती कदम उठाए हैं।

पलक्कड जिले में भारी बारिश के कारण दो घरों की चारदीवारी गिर गईं, जबकि कोझिकोड के उत्तरी हिस्सों, खासकर ऊंचे पहाड़ी इलाकों में जोरदार बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि इडुक्की जिले में, डूब क्षेत्र में भारी बारिश के कारण जलाशय का जलस्तर बढ़ने पर एहतियात के तौर पर पाम्बला बांध के शटर खोल दिए गए। पेरियार नदी के दोनों किनारों पर रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई, जबकि अधिकारियों को सभी जरूरी सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए गए। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि पत्तनमथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में मध्यम से भारी बारिश के साथ-साथ 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार तक तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

उन्होंने चेतावनी दी कि भारी बारिश से मुख्य सड़कों पर जल-जमाव हो सकता है, कम दृश्यता के कारण ट्रैफिक प्रभावित हो सकता है, निचले इलाकों और नदी के किनारों पर बाढ़ आ सकती है, पेड़ उखड़ने से बिजली व्यवस्था में रुकावट आ सकती है, घरों और झोपड़ियों को आंशिक नुकसान हो सकता है, और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है।

'बेंगलूरु डे केयर' मामला :

एनएचआरसी ने कर्नाटक सरकार, पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बेंगलूरु की एक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी के परिसर में संचालित 'डे-केयर सेंटर' में आया द्वारा कुछ छोटे बच्चों के साथ कथित तौर पर अमानवीय व्यवहार किए जाने की खबरों को लेकर कर्नाटक सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है। आयोग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि खबरों के अनुसार, बाल हेल्पलाइन के एक अधिकारी को छोटे बच्चों के साथ ''क्रूरता'' के वीडियो मिलने के बाद यह घटना सामने आई। ये वीडियो उन पेशेवरों के बच्चों से संबंधित हैं, जो परिसर में काम करते हैं और काम के दौरान अपने बच्चों को इस केंद्र में छोड़ते थे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बेंगलूरु की एक आईटी कंपनी के परिसर में संचालित 'डे-केयर सेंटर' में आया द्वारा कुछ छोटे बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार'' किए जाने संबंधी मीडिया की एक खबर का स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा कि यदि मीडिया की खबरों में दी गई जानकारी सही है तो यह मानवाधिकारों के उल्लंघन से जुड़े गंभीर मुद्दे उठाती है इसलिए आयोग ने कर्नाटक के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। दो जुलाई को प्रकाशित मीडिया की खबर के अनुसार, वीडियो में कथित तौर पर आया छोटे बच्चों को वॉशिंग मशीन के अंदर डालते, टॉयलेट जेट स्प्रे से उनके मुंह में पानी डालते, उन्हें चुप कराने के लिए शौचालय में बंद करते, पश्चिमी शैली के कमोड पर बैठने के लिए मजबूर करते और रोने पर चुप रहने की धमकी देते नजर आ रही हैं। बयान में कहा गया कि 'डे-केयर सेंटर' को अस्थायी रूप से एहतियातन बंद कर दिया गया है।

पुलिस ने इस मामले में 'डे-केयर सेंटर' की दो आया को छोटे बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एनएचआरसी ने एक अलग बयान में कहा कि उसने मध्यप्रदेश के सागर जिले के बांदा सिविल अस्पताल में कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण डेढ़ वर्षीय बच्चे की आंखों की रोशनी चले जाने संबंधी मीडिया की एक खबर का भी स्वत: संज्ञान लिया है।

खबरों के अनुसार, बच्चे को सर्दी और आंखें लाल होने के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। चिकित्सकों ने कथित तौर पर नाक में डालने वाली दवा उसकी आंखों में डाल दी, जिसके बाद उसे संक्रमण हो गया और उसकी आंखों की रोशनी चली गई। बयान में कहा गया कि एनएचआरसी ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

मानसून के सुहावने मौसम से शिमला की ओर खिंचे चले आ रहे पर्यटक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। मानसून के दौरान शिमला में रिमझिम बारिश, धुंध, सुहावना मौसम और बादलों से घिरी पहाड़ियों के आर्कषण से पर्यटकों का आगमन जारी है। पर्यटन उद्योग के अनुसार, इस मौसम में होटल में नियमित बुकिंग जारी है और अभी तक इसे रद्द करने संबंधी कोई बड़े मामले सामने नहीं आए हैं।

पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने बताया कि इस पहाड़ी शहर में सप्ताहांत होटलों में कमरों की बुकिंग 40 से 50 प्रतिशत के बीच बनी हुई है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 10% से अधिक है। शिमला होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स एसोसिएशन' के उपाध्यक्ष प्रिंस कुकरेजा ने बताया कि बुकिंग रद्द होने का कोई बड़ा मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि यदि बारिश से जुड़ी कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं होती है, तो उद्योग को इस पर्यटन सत्र के सुचारू रूप से चलने की पूरी उम्मीद है। यात्रा संबंधी उद्योग से जुड़े विजय कुमार ने बताया कि पर्यटक अब मानसून का अनुभव लेने के लिए बड़ी संख्या में हिमाचल प्रदेश आ रहे हैं, जबकि पहले के समय में कई लोग बरसात के मौसम में पहाड़ों की यात्रा करने से बचते थे। कानपुर से अपने परिवार के साथ आए बदरुद्दीन ने बताया कि यहां का मौसम बहुत सुहावना है और नजारा बेहद खूबसूरत है। वहीं, लुधियाना के अरविंद सिंह ने कहा मैदानी इलाकों में जारी भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए शिमला सबसे बेहतरीन जगह है।

ठाणे में बिजली का झटका लगने से महिला की मौत

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भारी बारिश के दौरान एक महिला बिजली के ट्रांसफार्मर के पास गिर गयी, जिससे तार के संपर्क में आने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना एक जुलाई की रात डोंबिवली के कचेरी गांव में हुई, जहां स्थानीय दुकानदार एवं पीड़िता शशि राहुल चक्र (35) अपनी दुकान के लिए सामान लेने गई थीं। अधिकारी ने बताया, घर लौटते समय पीड़िता सार्वजनिक शौचालय के पास लगे बिजली ट्रांसफार्मर के नजदीक फिसलकर गिर गई। उन्होंने बताया कि घटना के बाद वहां से गुजर रहे लोग महिला की मदद के लिए मौके पर पहुंचे और उसे पास के अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि चिकित्सकों ने पुष्टि की है कि ट्रांसफार्मर से लगे तेज बिजली के झटके से महिला की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने फ़िलहाल इस संबंध में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया है और मामले की जांच जारी है।

महाराष्ट्र सरकार सहकारिता शिक्षा कोष को फिर से शुरू करेगी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य सरकार एक महीने के भीतर सहकारी शिक्षा कोष को फिर से शुरू करेगी। इसका मकसद कुशल कामगारों की एक नई पीढ़ी तैयार करना और राज्य के सहकारिता नेटवर्क को और मजबूत करना है।

महाराष्ट्र राज्य सहकारिता संघ के एक कार्यक्रम में फडणवीस ने सहकारिता आंदोलन को बनाए रखने के लिए मानव संसाधन में निवेश को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने केंद्र सरकार के हालिया नीतिगत सुधारों का भी जिक्र किया, जिनका लक्ष्य जीडीपी में इस क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करना है। महाराष्ट्र सहकारिता के क्षेत्र में सबसे मजबूत राज्य बना हुआ है, जहां दो लाख से अधिक सहकारी समितियां हैं और सहकारिता आंदोलन की पहुंच सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द उस शिक्षा कोष को फिर से शुरू करेगी जिसे पहले बंद कर दिया गया था, ताकि सहकारिता क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित कामगार तैयार किए जा सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन को बनाए रखने के लिए मानव संसाधन को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन की ताकत को मान्यता देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2021 में एक अलग सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया था।

मौतों पर टिप्पणी को लेकर भाजपा अध्यक्ष घिरे

मुंबई/भाषा। मुंबई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष अमीत साटम शहर में वर्षा जनित हादसों में हुई मौतों पर अपनी टिप्पणी को लेकर विपक्ष के चौतरफा हमले झेल रहे हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में वह इन त्रासदियों पर बात करते हुए हंसते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में मुंबई से भाजपा विधायक साटम विधान भवन की सीढ़ियों पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक जयंत पाटिल के साथ खड़े दिख रहे हैं और उन्हें यह कहते सुना जा सकता है, कल पेड़ की वजह से हुआ था, आज मैनहोल है। इसी सप्ताह शहर में एक स्कूल बस पर पेड़ गिरने से 11 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य घटना में बिना ढक्कन वाले मैनहोल में गिरने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की जान चली गई थी। शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने साटम के इस वीडियो का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मौत के सौदागर। मुंबई भाजपा का क्रूर चेहरा। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने भी साटम पर निशाना साधते हुए कहा, यदि आप लोगों की मदद नहीं कर सकते, तो कम से कम इस तरह बेशर्मी से हंसें तो नहीं। थोड़ी इंसानियत दिखाएं।

लद्दाख में पर्यावरण संरक्षण बल में 100 पूर्व सैनिक तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने शनिवार को अपने प्रस्तावित 'नोटिस टू एयरमेन' (नोटम) को वापस ले लिया है, जिसमें रनवे को पूरी तरह बंद कर मरम्मत और रखरखाव करने की योजना थी। हवाई अड्डे की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक संदेश में कहा गया कि 2026 में किसी भी दिन हवाई अड्डा पूर्ण बंद नहीं रहेगा।

उसने कहा, ''यात्रियों को सूचित किया जाता है कि इस वर्ष श्रीनगर हवाई अड्डे पर एयरफील्ड पूरी तरह बंद नहीं रहेगी। हवाई अड्डे का संचालन सभी दिन सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक जारी रहेगा। हालांकि रनवे रखरखाव के लिए रात के समय बंद, अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगा।'' हवाई अड्डे ने कहा कि पहले प्रस्तावित सोमवार और मंगलवार को पूर्ण रनवे बंद का नोटिस भी वापस ले लिया गया है। इसके अनुसार, ''विमानन कंपनियां अपना शेड्यूल अद्यतन करेंगी। यात्रियों से आग्रह किया जाता है कि वे यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांच लें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।'' इससे पहले भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने जुलाई से सोमवार और मंगलवार को रनवे बंद रखने और अक्टूबर में दो सप्ताह के लिए पूर्ण बंदी की योजना बनाई थी ताकि आवश्यक रखरखाव कार्य किया जा सके।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मध्यप्रदेश में एसआईआर के काम की सराहना की

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मध्यप्रदेश में संपन्न विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया की शनिवार को सराहना की और कहा कि राज्य के निर्वाचन कर्मियों के इस काम पर पूरे देश को गर्व है। दो दिवसीय दौरे पर मध्यप्रदेश पहुंचे कुमार ने इंदौर के हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा,मैं मध्यप्रदेश के मतदाताओं से कहना चाहूंगा कि इस बार हमारे सभी चुनावी कर्मियों ने राज्य निर्वाचन आयोग और प्रशासन के अधिकारियों के नेतृत्व में एसआईआर का काफी बढ़िया कार्य किया है। इस पर पूरे देश को नाज है।

उन्होंने कहा कि उन्हें पूर्व होलकर राजवंश की शासक देवी अहिल्याबाई की नगरी इंदौर में आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और वह शनिवार को राज्य के बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के साथ शहर में संवाद करेंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा,आप सबको पता है कि बीएलओ निर्वाचन आयोग के आधारस्तंभ होते हैं।

नरेगल हिंसा की एसआईटी जांच हो, हावेरी एसपी पर कार्रवाई की जाए : बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बसवराज बोम्मई ने हावेरी जिले के हंगल तालुक के नरेगल गांव में हुई सांप्रदायिक हिंसा की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने जिले में कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल होने का आरोप लगाते हुए हावेरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के खिलाफ कार्रवाई और हंगल सर्किल पुलिस इंस्पेक्टर (सीपीआई) तथा सब-इंस्पेक्टर (एसआई) को निलंबित करने की भी मांग की। हावेरी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए हावेरी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बोम्मई ने कहा कि जिले में सांप्रदायिक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और पुलिस इन्हें रोकने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा, यह पहली घटना नहीं है। पिछले एक वर्ष में जिले में यह सातवीं या आठवीं सांप्रदायिक घटना है। नरेगल गांव पिछले तीन दशकों से कई बार सांप्रदायिक तनाव का गवाह रहा है।

बोम्मई ने कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल में इस विवाद का स्थायी समाधान निकालने के लिए मस्जिद को अतिरिक्त भूमि आवंटित की गई थी और श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश मार्ग बनाया गया था। उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन उपायुक्त ने मुख्य सड़क सभी लोगों के लिए खुली रखने के आदेश भी जारी किए थे, लेकिन पुलिस ने उन फैसलों को लागू नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया, कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों की है, वही इसके बिगड़ने के लिए जिम्मेदार बन गए हैं। नरेगल, बोम्मनहल्ली और बंकापुर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कोई एहतियाती कदम नहीं उठाए गए। ऐसी स्थिति में केवल दो पुलिसकर्मियों के साथ '112' पुलिस वाहन भेजना पर्याप्त नहीं था।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर इस साल रनवे पूरी तरह बंद नहीं होगा : हवाई अड्डा प्राधिकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। लद्दाख के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अपनी तरह की प्रथम पहल के तहत शनिवार को 100 पूर्व सैनिकों को लद्दाख पर्यावरण संरक्षण बल (ईपीएफ) में तैनात किया गया। पूर्व सैनिकों को उनके तैनाती स्थलों के लिए रवाना करने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाते हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि लद्दाख दुनिया के सबसे नाजुक उच्च हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है और यहां कई संकटग्रस्त वन्यजीव प्रजातियां पाई जाती हैं, जिन्हें सर्वोच्च स्तर की सुरक्षा की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि बढ़ते पर्यटन के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईपीएफ मानव गतिविधियों और पारिस्थितिकी संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा लोगों को केंद्रशासित प्रदेश में जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी प्रेरित करेगा। सक्सेना ने कहा, ''ईपीएफ हमारे पूर्व सैनिकों के अनुशासन, ईमानदारी और प्रतिबद्धता को इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए एक साथ लाता है। मुझे विश्वास है कि वे न केवल पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण संबंधी कानूनों के उल्लंघन को रोकेंगे, बल्कि लद्दाख में स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन के भी दूत बनेंगे।'' एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि लद्दाख पर्यावरण संरक्षण बल को अधिक प्रभावी बनाने के लिए इन पूर्व सैनिकों को उनके निर्धारित क्षेत्रों में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण संबंधी नियमों के किसी भी उल्लंघन पर मौके पर ही चालान (जुर्माना) जारी करने का अधिकार दिया गया है।

जनप्रतिनिधि के तौर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के 20 वर्ष पूरे हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पड़ाव हासिल करते हुए निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में 20 वर्ष पूरे किये। उनकी दो दशक लंबी राजनीतिक यात्रा चार जुलाई, 2006 को शुरू हुई थी, जब वह पहली बार जिला परिषद क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र (जेडपीटीसी) के सदस्य चुने गए थे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से छात्र राजनीति में कदम रखने वाले रेड्डी अपने गृह जिले महबूबनगर के मिडजिल से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जेडपीटीसी सदस्य निर्वाचित हुए थे। रेड्डी एक वर्ष बाद फिर से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विधान परिषद के लिए चुने गए।

इसके बाद वह तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) में शामिल हो गए और एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली पार्टी में एक प्रमुख नेता के रूप में उभरे। उन्होंने 2009 और 2014 के विधानसभा चुनावों में कोडंगल सीट से जीत हासिल की तथा अविभाजित आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद तेदेपा की तेलंगाना इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। तेलंगाना में तेदेपा का प्रभाव कम होने के साथ ही रेड्डी ने 2017 में कांग्रेस का दामन थाम लिया लेकिन तेदेपा नेताओं से सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखा।

रेड्डी जल्द ही कांग्रेस में एक लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे और के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के खिलाफ किसी मामले में कोई समझौता न करने का अभियान चलाया। उन्हें अपने राजनीतिक जीवन की एकमात्र चुनावी हार 2018 के विधानसभा चुनाव में झेलनी पड़ी, जब वह कोडंगल सीट से पराजित हुए। हालांकि, रेड्डी ने जल्द ही वापसी की और 2019 के लोकसभा चुनाव में मल्काजगिरि से सांसद निर्वाचित हुए। कांग्रेस आलाकमान ने 2021 में रेवंत रेड्डी को पार्टी की तेलंगाना इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया और उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2023 के विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। उन्होंने सात दिसंबर, 2023 को तेलंगाना के दूसरे मुख्यमंत्री का पद ग्रहण किया।

अंतरिक्ष से लौटे शुभांशु शुक्ला ने साझा किए अनुभव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतरिक्ष यात्री और वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने शनिवार को पिछले साल इसी दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) पर बिताए समय को याद किया, जहां उन्होंने पांच दिनों की मशक्कत के बाद इसरो द्वारा सौंपा गया एक चुनौतीपूर्ण 'एसटीईएम' प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरा किया था। अपनी किताब 'द सेकेंड ऑर्बिट: बिलीफ ऑफ ए मैन ड्रीम्स ऑफ 1.4 बिलियन हार्ट्स' के विमोचन के मौके पर आईएसएस जाने वाले पहले भारतीय शुक्ला ने कहा, आज चार जुलाई है और पिछले साल इसी दिन मैं धरती पर नहीं था। मै अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष में था। आईएसएस पर बिताए अपने समय के दौरान, उन्हें एक 'एसटीईएम'प्रदर्शन याद आया जिसे वे कई दिनों से करने की कोशिश कर रहे थे। इसमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) ने उन्हें पानी का एक बुलबुला बनाने, उसके अंदर हवा का एक बुलबुला डालने और फिर उस हवा के बुलबुले के अंदर कॉफी का एक बुलबुला डालने का काम सौंपा था।

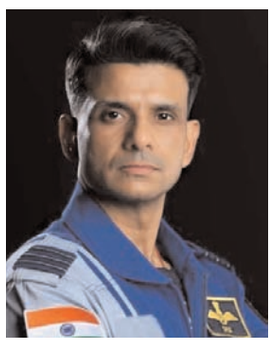

शुक्ला ने कहा, तो, अंतरिक्ष में तीन बुलबुले और पिछले पांच दिनों से मैं यही करने की कोशिश कर रहा था। पानी के इस बुलबुले को पकड़ना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, और आज (चार जुलाई) वह दिन था जब मैं इसे सफलतापूर्वक कर पाया। मुझे बहुत खुशी थी कि आखिरकार उस दिन यह काम हो पाया। शुक्ला उस चार सदस्यीय दल का हिस्सा थे, जिसने नासा के एक्सियोम-4 मिशन के तहत आईएसएस पर 18 दिन बिताए। यह चार दशकों के बाद किसी भारतीय की अंतरिक्ष यात्रा थी। इससे पहले 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा

ने ऐसा किया था। अंतरिक्ष यात्री ने बताया कि उन्होंने आईएसएस पर कपोला खिड़की से एक खास लेंस का इस्तेमाल करके पूरी पृथ्वी की अपनी पहली तस्वीर ली। उन्होंने कहा कि ये सब जमीन पर काम करने वाली एक बड़ी टीम की कोशिशों की वजह से ही संभव हो पाया। उन्होंने कहा, जब हम किसी को अंतरिक्ष में भेजते हैं या प्रक्षेपित करते हैं, तो इसमें हजारों लोग और जमीन पर एक बड़ी टीम शामिल होती है, और उनमें से हर एक व्यक्ति अहम होता है। एक तरह से, यह किताब कुछ हद तक इसी बारे में है। अपने अंतरिक्ष मिशन के सबसे मजेदार पल का जिक्र करते हुए शुक्ला ने कहा कि हालांकि अंतरिक्ष एक ऐसा माहौल है जहां जीवन नहीं होना चाहिए, इसके बावजूद वहां मज़ेदार स्थितियां भी सामने आती हैं। आईएसएस तक के सफर को याद करते हुए शुक्ला ने बताया कि कक्षा में पहुंचने और स्टेशन से जुड़ने के बीच चालक दल के पास लगभग 22 घंटे का समय था, जिसमें उन्हें सोने के लिए कुछ समय मिल गया। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में कोई बिस्तर नहीं होता और अंतरिक्ष यात्री यान के अंदर कहीं भी सो सकते हैं। उनके साथी चालक दल के सदस्यों ने जहां खुद को अपनी सीटों से बांध लिया था, वहीं शुक्ला ने एक सीट के नीचे जगह बनाकर सोने का फ़ैसला किया; ठंड लगने पर वे स्पेससूट रखने के लिए बने एक बड़े काले बैग में घुस गए।

'वायु वज्र' बस से टकराई बीएमटीसी बस, कई यात्री घायल

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु के केआर सर्किल में शनिवार सुबह बेंगलूरु महानगर परिवहन निगम (बीएमटीसी) की एक बस 'वायु वज्र' बस से पीछे से टकरा गई, जिससे कई यात्री घायल हो गए जबकि बस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना सुबह करीब आठ बजे उस समय हुई जब बीएमटीसी की वातानुकूलित बस वायु वज्र ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ी थी। उसने बताया कि इसी दौरान पीछे से आ रही बीएमटीसी की दूसरी बस खड़ी बस से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टकराने वाली बस का आगे का हिस्सा और वायु वज्र बस का पीछे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय बस में लगभग 20 यात्री सवार थे। दुर्घटना में कई यात्रियों को चोटें आईं, जबकि पीछे से टक्कर मारने वाली बस के चालक के सिर में गंभीर चोट लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक महिला यात्री घायल हो गई थी और बस के अंदर फंस गई थी, उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग के कर्मियों ने बचाव अभियान संचालित किया। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के कारण केआर सर्किल इलाके में कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसके बाद पुलिस ने मौके से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य कराया। वायु वज्र बस के परिचालक ने बताया कि उनकी बस ट्रैफिक सिग्नल पर 20 से 30 सेकंड से खड़ी थी, तभी पीछे से दूसरी बस ने आकर टक्कर मार दी। उन्होंने कहा, हमारी बस सिग्नल पर रुकी हुई थी। हमें पता नहीं चला कि पीछे से दूसरी बस कैसे आकर टकरा गई। बस करीब 20 से 30 सेकंड से सिग्नल पर खड़ी थी। चालक घायल हो गया और कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच जारी है।

घायलों का मेडिकल खर्च उठाएगी सरकार : बैराती सुरेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु : परिवहन मंत्री बैराती सुरेश ने कहा कि शहर के केआर सर्कल में शनिवार सुबह हुए एक्सीडेंट में घायल हुए लोगों का मेडिकल खर्च सरकार उठाएगी। इस बीच, उन्होंने कहा कि उन्होंने विभाग के सचिव को इलेक्ट्रिक बसों के ऑपरेशन और परफॉर्मेंस पर गहराई से स्टडी करने का निर्देश दिया है। एक्सीडेंट के बाद सेंट हॉस्पिटल में भर्ती घायलों से मिले मिनिस्टर ने उनका हालचाल पूछा और घटना के बारे में जानकारी ली। बाद में, रिपोर्टर से बात करते हुए उन्होंने कहा कि दुर्घटना दो बीएमटीसी बसों के बीच हुआ। इससे कुल 14 लोग घायल हुए, जिनमें से कुछ का प्राइमरी इलाज किया गया और उन्हें हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई। एक ड्राइवर और दो पैसेंजर गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनका इलाज सेंट मार्था हॉस्पिटल में चल रहा है। उन्होंने बताया कि एमआरआई और सीटी स्कैन समेत दूसरे टेस्ट के बाद उन्हें सही इलाज दिया जा रहा है। सरकार की तरफ से मेडिकल खर्च क्योंकि बसों का इंश्योरेंस होता है, इसलिए इंश्योरेंस की बड़ी रकम क्लेम करके घायलों को देने का इंतज़ाम किया जाएगा। बीएमटीसी ने यात्रियों को घायल होने और हॉस्पिटल में भर्ती होने पर दिए गए पैसे वापस कर दिए हैं, और घायलों का पूरा मेडिकल खर्च सरकार उठाएगी।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार एसआईआर प्रक्रिया को बाधित कर रही है : भाजपा

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को निर्वाचन आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज कराकर आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) का दुरुपयोग करके मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बाधा डाल रही है। पार्टी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री एस. सुरेश कुमार के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की और शिकायत दर्ज कराई। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य में मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया नेक इरादों से शुरू की है, लेकिन राज्य सरकार इस प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से पूरा करने देने के बजाय बीएलओ पर दबाव डाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया, ''आज बीएलओ पर दबाव डाला जा रहा है और उनका दुरुपयोग किया जा रहा है।''

विजयेंद्र ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत अधिकारियों को घर-घर जाकर यह कार्य पूरा करना होता है। उन्होंने कहा, हालांकि, बीएलओ को घर-घर जाने के बजाय कुछ स्थानों पर सामुदायिक भवनों, बारात घरों और कुछ जगहों पर मस्जिदों तथा विधायकों के कार्यालयों में बैठने के लिए मजबूर किया जा रहा है। हमने ऐसे मामलों से निर्वाचन आयोग को अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि कथित अनियमितताओं का संज्ञान लिया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही संपन्न हो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अपने घर पर एसआईआर में हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रल्हाद जोशी हुब्बल्ली में अपने घर पर अपने परिवार के साथ राज्य में वोटर लिस्ट के स्पेशल रिवीजन (एसआईआर) प्रोसेस में हिस्सा लेकर प्रेरित हुए। मंत्री प्रल्हाद जोशी और उनके परिवार के सदस्यों ने चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स और जानकारी जमा की, जो शनिवार सुबह हुब्बल्ली में मंत्री के घर पहुंचे और ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स और जानकारी जमा करके एसआईआर में सहयोग किया। इस मौके पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि वोटर लिस्ट के स्पेशल कॉम्प्रिहेंसिव रिवीजन के तहत पूरे राज्य में घर-घर सर्वे किया जा रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे अपने घर आने वाले बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स और जानकारी दें और पूरा सहयोग करें।

मेट्रो स्टेशन पर पटरी पर कूदी महिला को सुरक्षित बचाया गया

बेंगलूरु। बेंगलूरु के राजाजीनगर मेट्रो स्टेशन पर शनिवार को एक महिला ने कथित तौर पर पटरी पर छलांग लगा दी। अधिकारियों के मुताबिक, इस घटना के कारण ग्रीन लाइन पर मेट्रो सेवाएं कुछ समय के लिए बाधित रहीं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब 12:25 बजे हुई।

अधिकारियों के अनुसार, 'महिला को ट्रेन के आगे कूदते देख सर्तक ट्रेन चालक ने तुरंत 'इमरजेंसी ब्रेक' लगा दिया और साथ ही 'इमरजेंसी ट्रिप सिस्टम' भी सक्रिय कर दिया, जिससे महिला को सुरक्षित बचा लिया गया।' एक बयान में, बेंगलूरु मेट्रो रेल निगम लिमिटेड ने कहा कि स्टेशन नियंत्रक और सुरक्षा कर्मियों ने निर्धारित आपातकालीन प्रोटोकॉल का पालन करते हुए तुरंत कार्रवाई की।

कुमारस्वामी ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माताओं के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को प्रमुख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माताओं के साथ बैठक की और देश में स्वदेशी विनिर्माण को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चर्चा में देश में एक मजबूत, नवाचार-आधारित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रिक वाहन परिवेश विकसित करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान वाहन विनिर्माताओं ने केंद्रीय मंत्री को स्वदेशी इलेक्ट्रिक वाहन मंच और तकनीकों को विकसित करने में हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी।

अधिकारिक बयान के मुताबिक, विनिर्माताओं ने स्वदेशी इंजीनियरिंग, उत्पाद विकास और घरेलू विनिर्माण क्षमताओं पर अपना ध्यान केंद्रित करने की बात कही। साथ ही, उन्होंने भारत को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए एक प्रमुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने का अपना दृष्टिकोण साझा किया। बयान के अनुसार, विनिर्माताओं ने 'पीएम ई-ड्राइव योजना' पर अपनी राय रखी और इसे विस्तार देने की मांग की। बयान के मुताबिक, इस बैठक में एथर एनर्जी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण मेहता, मैटर के संस्थापक एवं सीईओ मोहाल लालभाई, रिवर के सह-संस्थापक एवं सीईओ अरविंद मणि, यूलर मोटर्स के संस्थापक एवं सीईओ सौरव कुमार तथा रैप्टी.एचवी के सह-संस्थापक एवं सीईओ दिनेश अर्जुन सहित अन्य प्रतिभागी शामिल हुए।

एक महीने बाद भी नहीं हुआ कर्नाटक कैबिनेट विस्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में डीके. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बने एक महीना हो चुका है। लेकिन, राज्य सरकार में अभी सिर्फ 13 मंत्री ही काम कर रहे हैं, जबकि मंत्रिपरिषद में अधिकतम 34 मंत्री हो सकते हैं, फिर भी कैबिनेट में 20 पद अब भी खाली हैं। सत्ताधारी कांग्रेस के अंदर राजनीतिक खींचतान और मंत्री पद के लिए चल रही लॉबिंग के कारण कैबिनेट विस्तार में लगातार देरी हो रही है। इसकी वजह से कई अहम विभागों को अब तक स्थायी मंत्री नहीं मिले हैं। यह स्थिति ऐसे समय में बनी है, जब राज्य सूखे, कानून-व्यवस्था की चुनौतियों और कई प्रशासनिक समस्याओं का सामना कर रहा है। अपने पूर्ववर्ती सिद्दारमैया के साथ सत्ता साझेदारी को लेकर लंबे समय तक चले विवाद के बाद 3 जून को डीके. शिवकुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उम्मीद थी कि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद कर्नाटक कांग्रेस में लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी और अनिश्चितता खत्म हो जाएगी। लेकिन, एक महीने बाद भी कैबिनेट का विस्तार नहीं हो पाया है। इसकी वजह पार्टी के भीतर राजनीतिक संतुलन बनाने की कोशिशें और मंत्री पद को लेकर जारी खींचतान बताई जा रही है।

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य सिद्दरामय्या ने इस मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर ज्यादा कुछ नहीं कहा है। वहीं, मंत्री बनने की उम्मीद लगाए बैठे कई वरिष्ठ नेताओं ने भी अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर करने से परहेज किया है। कृष्णा बायरे गौड़ा, रामलिंगा रेड्डी और के.एच. मुनियप्पा जैसे वरिष्ठ नेताओं ने मंत्री पद नहीं मिलने पर पहले अपनी नाराजगी जताई थी। हालांकि, अब उन्होंने अपना ध्यान कामकाज पर केंद्रित कर लिया है। वहीं, पूरी कैबिनेट का गठन नहीं होने के कारण मौजूदा मंत्रियों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी आ गई हैं।

एकता दिखाने की कोशिश के तौर पर, मुख्यमंत्री शिवकुमार ने इस अहम पद पर एक महीना पूरा होने के मौके पर बेंगलूरु में सिद्दरामय्या के घर जाकर उनसे मुलाकात की। उनके साथ उनकी पत्नी उषा शिवकुमार और भाई, पूर्व सांसद डीके सुरेश भी थे। नेताओं ने नाश्ते पर बैठक की और राज्य में चल रही राजनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की। सरकार को अपने पहले महीने में कई राजनीतिक और प्रशासनिक विवादों का सामना करना पड़ा है। प्रियांक खड़गे, एमबी पाटिल और कृष्णा बायरे गौड़ा जैसे मंत्रियों ने सरकार का लगातार बचाव किया है। इस दौरान राज्य में कई आपराधिक घटनाएं हुईं। साथ ही, प्रियांक खरगे की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर की गई टिप्पणी विवादों में रही। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सरकार के हस्तक्षेप के भाजपा और जेडी(एस) के आरोप भी लगे।

इसके अलावा, बेंगलूरु के पास प्रस्तावित बिदादी टाउनशिप परियोजना को लेकर केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और मुख्यमंत्री डीके. शिवकुमार के बीच भी राजनीतिक टकराव देखने को मिला। कैबिनेट पूरी तरह गठित न होने के बावजूद मुख्यमंत्री डीके. शिवकुमार ने कई अहम नीतिगत फैसलों की घोषणा की है। इनमें पूरे कर्नाटक के छात्रों के लिए मुफ्त बस पास, हर ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड में 10-10 लाख रुपए की सहायता से 'भारत जोड़ो यूथ एसोसिएशन' बनाने की योजना, 2,500 वर्ग फुट तक के नए मकानों को स्थायी बिजली कनेक्शन के लिए ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (ओसी) की अनिवार्यता से छूट और पूरे राज्य में 'बी' खाता संपत्तियों को 'ए' खाता में बदलने की योजना शामिल है। अन्य अहम घोषणाओं में बेंगलूरु की सड़कों को गड्ढों से मुक्त बनाने के लिए 2,000 करोड़ रुपए का प्रोग्राम, प्राइवेट सेक्टर एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज की स्थापना, 72,000 सरकारी रिक्तियों को भरने के लिए छह महीने की समय-सीमा और लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए एक अलग 'प्रजा सेवा' (जन सेवा) मंत्रालय बनाने का प्रस्ताव शामिल है।

सरकार ने अपनी प्रमुख गारंटी योजनाओं के तहत लाभार्थियों के दोबारा सत्यापन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है और बढ़ते वित्तीय दबाव के बीच आरटीसी बस के किराए में संशोधन पर विचार कर रही है। हालांकि, राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सरकार का कामकाज सिर्फ मुख्यमंत्री और कुछ मंत्रियों के भरोसे नहीं चल सकता। खासकर तब, जब कई अहम विभागों को अब भी पूर्णकालिक मंत्री नहीं मिले हैं और वे राजनीतिक नेतृत्व का इंतजार कर रहे हैं। विपक्ष ने देरी को लेकर बार-बार सरकार को निशाना बनाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई. विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कैबिनेट विस्तार को टालने के लिए चल रही एसआईआर का बहाना बना रहे हैं। मुख्यमंत्री अच्छी तरह जानते हैं कि अगर कैबिनेट का विस्तार हुआ तो उनकी सरकार की नींव हिल जाएगी। यही वजह है कि वे एसआईआर का बहाना बना रहे हैं। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय नेतृत्व फिलहाल कैबिनेट विस्तार की जल्दबाजी में नहीं है। नेतृत्व को आशंका है कि कुछ नेताओं को मंत्री बनाकर और कुछ को बाहर रखने से पार्टी के भीतर नाराजगी बढ़ सकती है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: B-TRD-29-2026-27-OT-16 दिनांक: 01.07.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु (एसबीसी) पर विभिन्न ओएचई / पीएसआई चेतावनी बोर्ड और सेक्शनिंग डयाग्राम का प्रावधान।	रु.72,10,395.49/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 20.07.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ ट्रैक्शन वितरण/बेंगलूरु
PUB/262/AAMO/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/44
दिनांक: 30.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
पांडवपुरा और श्रीरंगपट्टना (पीएनपी व एस): पांडवपुरा (पीएनपी) में पीएफ-1 पर जनरल वेटिंग रूम, पीएफ-2 पर शौचालय ब्लॉक, पीएफ-1व 2 पर पूर्ण लंबाई पीएफ शेल्टर और श्रीरंगपट्टना (एस) में वेटिंग रूम और पॉर्किंग सुधारण का कार्य का प्रावधान।	रु. 88,47,623.96/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 21.07.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ सामान्य/मैसूरु
PUB/261/AAMO/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: CAO/CN/BNC/188/2026
दिनांक: 01.07.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण-1/हुबली कार्यालय के साथ साथ पुराना जीएम बिल्डिंग और सर्क्युलेटिंग एरिया पर रखरखाव कार्य का प्रावधान। (निविदा संदर्भ सं.: UBL-GMBUILDING-MAINT)	रु. 1,01,34,703/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 24.07.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/कार्य/ बेंगलूरु छावनी
PUB/264/AAMO/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: 09-S&T/MYS/2026
दिनांक: 30.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूर (एमवायएस), शिवमोग्गा टाउन (एसएमईटी) और दावणगेरे (डीवीजी) स्टेशनों पर ट्रू कलर आउटडोर वीडियो डिस्प्ले (ओवीडी) सिस्टम लगाना और इसे मौजूदा इंटीग्रेटेड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम के साथ जोड़ना।	रु. 2,11,14,294.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 21.07.2026, 15:30 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/मैसूरु
PUB/267/AAMO/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
संख्या : डब्ल्यू ए एसजी/2026-27 दिनांक: 01.07.2026 मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल व दूरसंचार) उत्तर पश्चिम रेल्वे अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिये दी गयी तिथि को 15.00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है । **निविदा संख्या** : मं.रे.प्र. (सिग व दूरसंचार)-25-2026-27 **कार्य का नाम** :अजमेर डिवीजन में DSTE AII के क्षेत्राधिकार के OFC की निगरानी और विश्वसनीयता सुधार के लिए ऑप्टिकल फाइबर प्रबंधन प्रणाली की सुविधा **अनुमानित लागत** : रूपये 32994775.89 **बयाना राशि** : रूपये 659900.00 **निविदा संख्या** : मं.रे.प्र. (सिग व दूरसंचार)-26-2026-27 **कार्य का नाम** : अजमेर डिवीजन : अजमेर डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर RDSO TAN 3009 के संबंध में M/s NOTOFIRE PRIVATE LIMITED द्वारा बनाए गए AFDAS (स्वचालित अग्नि पता लगाने और अलार्म सिस्टम) के विभिन्न घटकों/भागों का संवर्धन और रखरखाव। **अनुमानित लागत** : रूपये 11557539.22 **बयाना राशि** : रूपये 231200.00 **निविदा संख्या** : मं.रे.प्र. (सिग व दूरसंचार)- 27-2026-27 **कार्य का नाम** : अजमेर डिवीजनः अजमेर डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर RDSO TAN 3009 के संबंध में M/s RAVEL ब्रांड के AFDAS (ऑटोमेटिक फायर डिटेक्शन और अलार्म सिस्टम) के विभिन्न घटकों / पाट्र्स का बढ़ाना और रखरखाव। **अनुमानित लागत** : रूपये 22149656.47 **बयाना राशि** : रूपये 443000.00 **निविदा संख्या** : मं.रे.प्र. (सिग व दूरसंचार)-28-2026-27 **कार्य का नाम** : अजमेर डिवीजन में ADSTE ABR के क्षेत्राधिकार में निगरानी और विश्वसनीयता सुधार के लिए ऑप्टिकल फाइबर प्रबंधन प्रणाली की सुविधा। **अनुमानित लागत** : रूपये 28730896.75 **बयाना राशि** : रूपये 574600.00 **ई निविदाये खोलने की तिथि व समय दिनांक** 28.07.2026 को 15.30 बजे **उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट का पता** : WWW.IREPS.GOV.IN 950-CQ/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/46
दिनांक: 01.07.2026

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	येडमंगला (वायडीएम) और नरिमोगारू (एनआरजे) पर एफओबी का प्रावधान।	रु. 7,93,938.94/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 22.07.2026, 11:00 बजे तक
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/45
दिनांक: 01.07.2026

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
2	कृष्णराजनगर (केआरएनआर) पर बीओ, जनरल वेटिंग रूम, अतिरिक्त पीएफ शेल्टर, अशोकपुरम (एपी) - 2रा प्रवेश पर शौचालय ब्लॉक और मंदागेरे (एमजीएफ) पर अतिरिक्त पीएफ शेल्टर का निर्माण कार्य।	रु. 31,66,795.58/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 22.07.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/ सामान्य/मैसूरु
PUB/265/AAMO/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-नीलामी सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी अपेक्षित मानदंडों को पूरा करने वाले पात्र निविदादाताओं से निम्नलिखित अनुबंधों के लिए www.ireps.gov.in पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी निविदाएं आमंत्रित करता है।

ई-निविदा केटलॉग नं.	PARKING-GKK-26	PnU-Toilet-BJP
कार्य का नाम	पार्किंग स्टैंड का संचालन	'पे एंड यूज़' टॉयलेट (सामान्य) का संचालन और रखरखाव
स्थान/रेलवे स्टेशन:	गोकाक रेलवे स्टेशन	विजयपुरा रेलवे स्टेशन
अनुबंध की अवधि	तीन (03) वर्ष	तीन (03) वर्ष
ई-नीलामी निर्धारित तिथि और समय:	14.07.2026, 11:00 बजे	14.07.2026, 11:00 बजे

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में (ई-निविदा लीज़िंग माड्यूअल)
PUB/266/AAMO/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हुबली
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

भारत ने सबसे बड़े ऊर्जा संकट में से एक का सफलतापूर्वक सामना किया : मोदी

पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन अवसर पर बोले मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पचपदरा (बालोतरा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने अपनी बेहतर नीतियों, ईंधन आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाकर और मजबूत कूटनीतिक संबंधों के दम पर दुनिया के सबसे बड़े वैश्विक ऊर्जा संकटों में से एक का सफलतापूर्वक सामना किया तथा इसका बोझ देश के नागरिकों पर बहुत कम पड़ा। मोदी ने पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण उपजे ऊर्जा संकट का जिक्र करते हुए कहा कि इस सबसे बड़े ऊर्जा संकट पर 21वीं सदी के नए भारत की इच्छाशक्ति और प्रयास भारी पड़े। उन्होंने कहा कि देशवासी इस मुश्किल समय में जिस तरह से देश के साथ मजबूती से खड़े रहे, देश उसी विश्वास के भरोसे आगे बढ़ पाया है। राजस्थान दौरे पर आए प्रधानमंत्री मोदी ने बालोतरा के पचपदरा में देश के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही उन्होंने एक लाख पांच हजार करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों का ऑनलाइन तरीके से शिलान्यास/उद्घाटन और लोकार्पण किया।

इस मौके पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि ऊर्जा संकट के दौरान अफवाहें फैलाई गईं, लोगों को डराया गया, भड़काया गया, ओछी राजनीति की गई लेकिन जिनके इरादे गलत थे, वे सफल नहीं हो पाए। मोदी ने कहा कि व्यक्ति और देश का स्वाभिमान तभी ऊंचा रह सकता है, जब वह आत्मनिर्भर हो, दूसरों पर कम से कम निर्भर हो।

उन्होंने रिफाइनरी के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा, आज का दिन साक्षी है कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं को सिर्फ शिलान्यास करके नहीं छोड़ती बल्कि हम उन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भी दिन-रात एक कर देते हैं। रिफाइनरी में दो महीने पहले हुए अग्निकांड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके बाद इतनी तेजी से काम पूरा कर लेना भी परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण है। मोदी ने कहा, आप सभी ने दिखा दिया है कि चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी और अप्रत्याशित क्यों न हो, नया भारत अपने संकल्पों से न तो पीछे हटता है और न ही अपनी रफ्तार कम करता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण उपजे ऊर्जा संकट का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, बड़े-बड़े देश आज ईंधन की किल्लत से जूझ रहे हैं। लेकिन 21वीं सदी के इस सबसे बड़े ऊर्जा संकट पर 21वीं सदी के नए भारत की इच्छाशक्ति और प्रयास भारी पड़े हैं।

मोदी ने कहा कि इस संकट के दौरान भारत ने हर स्तर पर सही फैसले लिए... संकट का समय रहते सटीक आकलन किया, प्रभावी रणनीति बनाई और भारत के संसाधनों का संतुलित प्रयोग किया। उन्होंने कहा, भारत की 'डिप्लोमेटिक पावर' का सकारात्मक इस्तेमाल किया गया और तब जाकर भारत संकट से उबर पाया है। उन्होंने कहा कि युद्ध के इसी समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। उन्होंने कहा, जब यह संकट शुरू हुआ था, उससे पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन का आयात करता था लेकिन संकट के समय भारत की कूटनीति का जलवा दिख गया और दूसरे देशों के साथ हमारे अच्छे संबंध इस संकट की घड़ी में बहुत काम आए।

उन्होंने कहा, युद्ध के दौरान ही भारत 40 से ज्यादा देशों से ईंधन मंगाने लगा। भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि हमारे लिए राष्ट्रहित और राष्ट्र के नागरिकों का हित सर्वोपरि है। 'नागरिक देवो भवः' हमारा मंत्र है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक कीमतों में वृद्धि के कारण अप्रैल से जून के बीच तेल कंपनियों को 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ, लेकिन सरकार ने इसका बोझ खुद उठाया। उन्होंने कहा, हमने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की और यह सुनिश्चित किया कि आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट के समय सार्वजनिक तौर पर कुछ ताकतें अफवाह और आशंका फैलाने में व्यस्त थी। उन्होंने कहा, बहुत अफवाएं फैलाई गई, लोगों को डराया गया, भड़काया गया, राजनीति के खेल खेले गए। लेकिन जिनके इरादे गलत थे, वे सफल नहीं हो पाए। मोदी ने कहा, जो लोग भारत को असफल होते देखना चाह रहे हैं, इसके लिए भविष्यवाणी भी करने लग गए थे। वे आज निराशा की गर्त में पड़े होंगे।

भारत की बढ़ती ऊर्जा क्षमता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रिफाइनिंग क्षमता वाला देश बन चुका है और इस क्षमता का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने वैश्विक संघर्षों के कारण ईंधन और उर्वरक आपूर्ति में आई चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार की दीर्घकालिक नीतियों के कारण भारत इन व्यवधानों से सफलतापूर्वक उबर सका।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी व्यक्ति या राष्ट्र का स्वाभिमान तभी ऊंचा रह सकता है, जब वह आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि वर्ष 2018 से 2023 के दौरान राजस्थान में कांग्रेस सरकार के समय पचपदरा रिफाइनरी परियोजना का काम लगभग ठप पड़ा रहा।

उन्होंने कहा,कठिन से कठिन लगने वाले संकल्प भी सिद्ध हो जाते हैं अगर नीयत साफ हो। यही बड़ा अंतर भाजपा और कांग्रेस में है। राजस्थान में पानी से जुड़ी समस्या का समाधान इसका उदाहरण है। कांग्रेस की सरकारों ने कभी राजस्थान के जल संकट को दूर करने के लिए कोई ठोस काम नहीं किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जयपुर मेट्रो रेल परियोजना फेज-2 का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बालोतरा के पचपदरा में शनिवार को आयोजित राजस्थान रिफाइनरी के लोकार्पण समारोह के अवसर पर जयपुर मेट्रो रेल परियोजना फेज-2 का वर्चुअल शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री की इस सौगात से शहर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा एवं वीकेआई को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और आमजन को सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश कोई संकल्प लेता है, कोई लक्ष्य बनाता है, तो राजस्थान उसके केंद्र में होता है। आज राजस्थान में तेज गति से आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है। जयपुर मेट्रो फेज-2 की आधारशिला और जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन राजस्थान के विकास को और गति देंगे। जयपुर में फेज-2 पूरा होने के बाद जयपुर का कुल मेट्रो नेटवर्क 50 से किलोमीटर से अधिक हो जाएगा। इससे स्थानीय लोगों को आसानी तो होगी ही, पर्यटकों के लिए सुविधा भी बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 13 हजार

करोड़ रुपये से अधिक लागत के जयपुर मेट्रो फेज-2 की सौगात प्रदेश को दी है। गुलाबी शहर जयपुर अपनी विरासत के साथ-साथ मेट्रो सिटी के तौर पर अपनी पहचान बना रहा है। नई मेट्रो लाइन जयपुर को ट्रैफिक समस्या से निजात दिलाएगी। आज इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री के कर कमलों से हुआ है और हमें पूरा विश्वास है कि निर्माण के उपरांत इसका शुभारंभ भी प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जयपुर मेट्रो फेज-2 के अन्तर्गत प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक 41 किलोमीटर लंबा उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। यह कॉरिडोर सीतापुरा से लेकर वीकेआईए तक के औद्योगिक एवं आवासीय क्षेत्रों को जोड़ते हुए जयपुर की जीवनरेखा के रूप में कार्य करेगा। इस कॉरिडोर में कुल 36 स्टेशन होंगे और परियोजना की कुल लागत 13 हजार 37 करोड़ रुपये से अधिक है।

इस परियोजना का क्रियान्वयन राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जो भारत सरकार और राजस्थान सरकार की 50:50 साझेदारी वाली संयुक्त कंपनी है। यह फेज-2 कॉरिडोर सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, वीकेआई, जयपुर एयरपोर्ट, टोंक रोड, एसएमएस अस्पताल और स्टेडियम, कलेक्ट्रेट, रेलवे स्टेशन, अंबाबाड़ी तथा विद्याधर नगर जैसे प्रमुख क्षेत्रों को निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इस परियोजना में एयरपोर्ट क्षेत्र में भूमिगत स्टेशन भी शामिल होगा, जिससे शहर में एकीकृत और निरंतर मेट्रो नेटवर्क सुनिश्चित होगा।

उल्लेखनीय है कि जयपुर में फेज-1 के तहत उत्तर-पश्चिम कॉरिडोर पर मानसरोवर से बड़ी चौपड़ तक 11.64 किलोमीटर लंबी मेट्रो सेवा संचालित है, जिसमें 11 स्टेशन हैं। प्रस्तावित फेज-2 उत्तर-दक्षिण दिशा में इस नेटवर्क को और विस्तार देगा। केन्द्रीय केबिनेट से मंजूरी के बाद जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने परियोजना के फेज-2 के पहले पैकेज में 918.04 करोड़ से अधिक की लागत के कार्यों के लिए एलओए (स्वीकृति पत्र) जारी कर दिया है। इसमें प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गोशाला तक के 12 किलोमीटर के कॉरिडोर के लिए एलिवेटेड वायाडक्ट और 10 एलिवेटेड स्टेशन (प्रहलादपुरा, मानपुरा, बीलवा कलां, बीलवा, गोनेर मोड़, सीतापुरा, जेईसीसी, कुंभा मार्ग, हल्दीघाटी गेट और पिंजरापोल गोशाला) का डिजाइन एवं निर्माण पूर्ण किया जाएगा। इसके साथ ही जयपुर मेट्रो फेज-2 के डिपो की ओर जाने वाली स्पर लाइन का निर्माण भी किया जाएगा।

पचपदरा रिफाइनरी का 85 फीसदी काम कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पूरा हुआ : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान की पचपदरा रिफाइनरी के काम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि इसका 85 प्रतिशत काम 2018 से 2023 के बीच पूरा हुआ जब राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को इस रिफाइनरी का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि 2018 से 2023 तक राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन कांग्रेस के असहयोग के कारण यहां का काम लगभग ठप पड़ गया था। लेकिन जैसे ही 'डबल इंजन' सरकार आई इसका काम तेजी से आगे बढ़ा। गहलोत ने एक बयान में कहा,यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकारी कार्यक्रमों में भी भाजपा नेता बनकर ही व्यवहार करते हैं।

आज प्रधानमंत्री ने रिफाइनरी के उद्घाटन पर कहा कि 2018 से 2023 तक कांग्रेस सरकार के दौरान रिफाइनरी का काम ठप रहा और भाजपा के ढाई साल में काम पूरा हुआ। ऐसी बातें सुनने में हास्यास्पद लगती हैं। गहलोत ने कहा, प्रधानमंत्री जी, आपको रिफाइनरी के काम से जुड़े लोगों से पूछना चाहिए था। वे आपको बताते कि कांग्रेस सरकार में 'कोरोना' जैसी मुश्किल परिस्थिति में भी यहां काम नहीं रुका और रिफाइनरी का 85 फीसदी काम 2018 से 2023 के बीच पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने बजट में अगस्त 2025 तक काम पूरा करने की घोषणा की थी, लेकिन यह काम करीब एक साल की देरी से पूरा हुआ है। इससे पहले गहलोत ने रिफाइनरी के पेट्रो केमिकल जोन का काम तेजी से शुरू करने व इसे राजस्थानी लोगों के लिए आरक्षित करने की मांग की। आज रिफाइनरी के उद्घाटन के साथ इस पेट्रो केमिकल जोन का काम तेजी से शुरू किया जाए और इसे राजस्थानी लोगों के लिए आरक्षित किया जाए जिससे बाहर के व्यवसायियों की बजाय स्थानीय लोगों को प्लास्टिक आधारित उद्योग लगाने एवं रोजगार देने में प्राथमिकता दी जा सके।

रिफाइनरी के उद्घाटन से पहले तेज अंधड़ से बैनर व होर्डिंग गिरे

जयपुर। राजस्थान के बालोतरा इलाके में नवनिर्मित पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए लगे कई बैनर एवं होर्डिंग तेज अंधड़ और बारिश के कारण गिर गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को इस रिफाइनरी का उद्घाटन किया। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार शाम करीब सात बजे पचपदरा इलाके में अंधड़ आया जिससे कार्यक्रम स्थल पर लगे बैनर फट गए और कई होर्डिंग उखड़ गए। उद्घाटन कार्यक्रम से पहले हुए नुकसान को ठीक करने और व्यवस्थाओं को बहाल करने के लिए कर्मचारी सुबह से ही काम में जुटे हुए थे।

बालोतरा जिले के पचपदरा में स्थित यह रिफाइनरी परियोजना लगभग 79,450 करोड़ रुपये की लागत से बनी है।

यह 487 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के जरिए गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से जुड़ी है। इस रिफाइनरी का उद्घाटन पहले 21 अप्रैल को होना था लेकिन प्रस्तावित समारोह से एक दिन पहले 'क्रूड डिस्टिलेशन' यूनिट में आग लगने के कारण इसे टालना पड़ा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने जोधपुर हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया

जोधपुर/दक्षिण भारत । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां जोधपुर हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने 'उड़ान' योजना के अगले चरण की शुरुआत की। राजस्थान के दौरे पर पहुंचे मोदी ने जोधपुर हवाई अड्डे पर रिमोट का बटन दबाकर नए टर्मिनल भवन का भी उद्घाटन किया।

अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना को कुल 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया गया है। 23,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला यह नया टर्मिनल भवन प्रति वर्ष 20 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम है। यह आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है ताकि यात्रियों को सुगम और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके। राजस्थान की शाही विरासत से प्रेरित वास्तुकला के आधार पर निर्मित यह टर्मिनल मेहराब और झरोखों जैसे पारंपरिक तत्वों को समकालीन डिजाइन के साथ खूबसूरती से समाहित करता है। ऊर्जा-कुशल प्रणालियों, जल संरक्षण उपायों और हरित भवन निर्माण पद्धतियों जैसी विशेषताओं के साथ, सतत विकास टर्मिनल के डिजाइन का अभिन्न अंग रहा है, जिसका उद्देश्य 'फाइव-स्टार जीआरआईएचए' रेटिंग प्राप्त करना है।

जोधपुर हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन से क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने संशोधित 'उड़ान' योजना की शुरुआत की जिसमें क्षेत्रीय संपर्क पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार इससे भारतीय विमानन क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा और नागरिक विमानन के परिदृश्य में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अलवर में जीएसटी अधिकारी, उनके परिवार को बंधक बनाकर बदमाशों ने लूटे जेवरात, नकदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में शनिवार को तीन हथियारबंद बदमाशों ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग के एक सहायक आयुक्त और उनके परिवार को उनके घर में करीब 90 मिनट तक कथित तौर पर बंधक बनाए रखा और वे सोने के आभूषण, नकदी एवं अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

यह घटना सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत 'अपना घर शालीमार' आवासीय सोसाइटी में हुई। पुलिस के अनुसार, नकाब पहने तीनों बदमाश कथित तौर पर छत पर छिपे हुए थे और सुबह जीएसटी के सहायक आयुक्त ओम प्रकाश के परिवार ने जैसे ही मुख्य द्वार खोला वे घर में घुस आए।

पुलिस ने बताया कि पिस्तौल से लैस बदमाशों ने ओम प्रकाश, उनकी पत्नी और बच्चों को बंधक बना लिया, उनके साथ मारपीट की और यह बताने के लिए मजबूर किया कि उनका कीमती सामान कहां रखा है। ओम प्रकाश ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने उनकी पत्नी द्वारा पहने हुए आभूषण भी छीन लिए। उन्होंने कहा कि बदमाशों ने उनकी पत्नी से बलात्कार करने की धमकी भी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बदमाशों की पहचान के लिए आवासीय सोसाइटी और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक सोमवार को, एसआईटी रिपोर्ट और इस्तीफों पर चर्चा की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट और न्यासियों के इस्तीफों पर चर्चा के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य सोमवार को यहां मणि रामदास छावनी में बैठक करेंगे। 'पीटीआई-भाषा' द्वारा देखे गए बैठक के एजेंडे के अनुसार बैठक अपराह्न तीन बजे निर्धारित है। सूत्रों ने बताया कि राम मंदिर के कामकाज के प्रबंधन के लिए एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति पर भी चर्चा हो सकती है।

शनिवार को अधिकारियों ने बैठक के पांच बिंदुओं वाले एजेंडे की पुष्टि की, जिसमें पहला मुद्दा महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर चर्चा का है। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद से ये दोनों और विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव विवादों के केंद्र में रहे हैं। यह बैठक आरोपों की दो समानांतर जांच के बीच होने वाली है। इनमें से एक जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है, जिसका कार्यकाल जुलाई के अंत तक बढ़ा दिया गया है, जबकि दूसरी जांच पुलिस कर

रही है। एसआईटी और पुलिस ट्रस्ट के तीनों वरिष्ठ अधिकारियों के बयान दर्ज कर चुकी हैं। हालांकि तीनों पदाधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। फैजाबाद बार एसोसिएशन के वकीलों ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। एजेंडे के अन्य बिंदुओं में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए गैर लेखापरीक्षित आय-व्यय विवरण और बैलेंस शीट, अन्य वित्तीय विवरणों पर चर्चा और उनकी स्वीकृति के बारे में जानकारी देना शामिल है। बैठक का एजेंडा कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने जारी किया है। ट्रस्ट के प्रमुख महंत नृत्य गोपाल दास उम्र से जुड़ी समस्याओं के कारण पिछली बैठकों में डिजिटल माध्यम से शामिल हुए थे। वह फिलहाल अस्वस्थ हैं और लखनऊ के एक अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। अस्पताल ने शुक्रवार को जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा था कि दास को दो-तीन दिन में छुट्टी मिलने की उम्मीद है। मणि रामदास छावनी, महंत नृत्य गोपाल दास का आश्रम है।

एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर दर्ज प्राथमिकी में नामजद आठ लोगों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि पहले इन सभी को 23 जुलाई तक 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने मुख्य आरोपियों में से एक अविनाश शुक्ला की पुलिस हिरासत मांगी और उसे मंजूरी भी मिल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चढ़ावा चोरी से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सबूत अयोध्या स्थित शुक्ला के घर से बरामद किए गए हैं।

राम मंदिर की टोह लेने वाला गुर्गा और हाफिज सईद का रिश्तेदार घोषित आतंकवादियों की सूची में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान में मौजूद 23 व्यक्तियों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के तहत शनिवार को आतंकवादी'' घोषित किया। ये लोग पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और अन्य आतंकी संगठनों से हैं। इनमें से छह भारतीय नागरिक हैं, जो अब पाकिस्तान या पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में रहते हैं। केंद्र सरकार ने जिन लोगों के नाम जोड़े हैं, उनमें जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आतंकियों में मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसद्दिक उर्फ डॉक्टर, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान उर्फ अबू साद, हाफिज अब्दुल शकूर उर्फ कारी जर्रार, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, मौलाना इमदादउल्ला मक्की और वसीम नूर जट शामिल हैं। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकियों में फिरदौस अहमद भट, हारून राशिद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कय्यूम लोन, नज़ीर अहमद गुज्जर, अब्दुल रऊफ उर्फ हाफिज अब्दुल रऊफ, अशफाक अहमद, हाफिज खालिद वलीद, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ तैबी, ओवैस फारूज, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार और मोहम्मद शहीद फैसल शामिल है। फैसल अल-कायदा और आईएसआईएस से भी जुड़ा है।

मोहम्मद मुसद्दिक ने अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर, नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय और पानीपत में आईओसीएल रिफाइनरी की टोह लेने में अहम भूमिका निभाई थी। मसूद इलियास कश्मीरी एक पाकिस्तानी नागरिक है, जिसे मुफ्ती मसूद इलियास और अबू मोहम्मद जैसे कई नामों से जाना जाता है। वह मसूद अजहर का करीबी सहयोगी और संगठन का वह मुख्य व्यक्ति है जो कश्मीर में घुसपैठ को अंजाम दिलाता है। गृह मंत्रालय ने बताया कि इलियास पर सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भर्ती करने, आतंकवाद के लिए पैसा जुटाने और जम्मू के सुंजवान में पीडीपी कार्यालय के नजदीक पुलिस जांच चौकी पर अप्रैल 2022 में हुए हमले की साजिश रचने का आरोप है। मुफ्ती मोहम्मद असगर खान की पहचान पीओजेके में जेईएम के अमीर और उसकी कथित सैन्य शाखा के प्रमुख के तौर पर की गई है। मंत्रालय ने कहा कि असगर नगरोटा में भारतीय सेना के शिविर पर हुए हमले का मुख्य षड्यंत्रकर्ता था और वह मुजफ्फराबाद में प्रशिक्षण शिविर चलाता है। जेईएम और हरकत-उल-मुजाहिदीन से जुड़े हाफिज अब्दुल शकूर पर आरोप है कि उसने नगरोटा सैन्य शिविर पर हमले के लिए सांबा-कठुआ सेक्टर से तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ में मदद की थी। अब्दुल्ला जिहादी जेईएम का एक गुर्गा है। उसने असगर के साथ मिलकर साजिश रची, उत्तरी कश्मीर में घुसपैठ में मदद की, भारत सरकार के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश की और कुपवाड़ा व बारामूला में आतंकी घुसपैठ में मदद की। सीमा पार रहने वाले भारतीय नागरिकों में लश्कर से जुड़ा फिरदौस अहमद भट भी शामिल है।

अकासा एयर के बेड़े में शामिल हुआ 40वां विमान

नई दिल्ली/भाषा। एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने अपने बेड़े में 40वां विमान शामिल कर लिया है। अकासा एयर अपने नेटवर्क का लगातार विस्तार कर रही है। कंपनी ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि उसे 40वें विमान के रूप में बोइंग 737 मैक्स 8-200 की डिलीवरी मिल गई है, जिसका पंजीकरण नंबर वीटी-वाईबीक्यू है। बयान के मुताबिक, इस विमान की डिलीवरी उड़ान का पहला चरण अमेरिका के सिएटल से आइसलैंड के रेकजाविक तक था, जबकि अंतिम चरण मिस्र के काहिरा से बेंगलूरु तक की उड़ान के साथ संपन्न हुआ। अकासा एयर के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि 40वां विमान कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इसे लेकर काफी उत्साह है। एयरलाइन ने इस वर्ष अब तक बोइंग 737 मैक्स के नौ नए विमान अपने बेड़े में शामिल किए हैं। अगस्त, 2022 में वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने वाली अकासा एयर फिलहाल देश के 28 घरेलू और सात अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित करती है। कंपनी ने बोइंग 737 मैक्स के 226 विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है।

स्वामी विवेकानंद का जीवन भारत की सनातन चेतना का एक जीवंत प्रकाश-स्तंभ है : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन भारत की सनातन चेतना का एक जीवंत प्रकाश-स्तंभ है। राज्यपाल ने शनिवार को जन भवन में स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में स्वामी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। जन भवन के अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने भी स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र एवं समाज की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। जन भवन से जारी एक बयान के मुताबिक, राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा,स्वामी विवेकानंद का जीवन भारत की सनातन चेतना का एक जीवंत प्रकाश-स्तंभ है। उन्होंने अपने अल्प जीवनकाल में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना का ऐसा विराट संचार किया, जिसका प्रभाव

आज भी संपूर्ण विश्व अनुभव कर रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद दूरदर्शी राष्ट्रचिंतक, युवा शक्ति के प्रखर प्रेरणा-स्रोत तथा ऐसे युगद्रष्टा थे, जिन्होंने उस समय भारत के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना की, जब देश राजनीतिक पराधीनता और मानसिक निराशा के दौर से गुजर रहा था। पटेल ने कहा कि उन्होंने संसार को यह संदेश दिया कि भारत मानवता, करुणा, सहिष्णुता, ज्ञान, आध्यात्मिकता तथा ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की अनंत परंपरा का प्रतिनिधि है और विश्व को नैतिक एवं आध्यात्मिक नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता रखता है। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी महापुरुष का सच्चा सम्मान उनके विचारों को अपने आचरण, कार्य और जीवन में उतारने से होता है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आत्मनिर्भरता, नवाचार, समावेशी विकास और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब स्वामी विवेकानंद का यह संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर अनंत शक्ति निहित है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने, जागृत करने और सही दिशा में प्रयुक्त करने की है।

बयान के मुताबिक, इस अवसर पर जन भवन के शिक्षा विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन, व्यक्तित्व एवं विचारों पर आधारित सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें स्वामी विवेकानंद की बातें अमल में लाओ गीत पर भावपूर्ण समूह गायन की प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा वर्ष 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद द्वारा दिए गए ऐतिहासिक उद्बोधन के अंशों को दर्शाया गया। नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से स्वामी जी के सार्वभौमिक बंधुत्व, मानवता, सहिष्णुता एवं भारतीय संस्कृति के शाश्वत संदेश को सजीव एवं प्रभावपूर्ण ढंग से अभिव्यक्त किया गया।

राम मंदिर मामले में 'बड़े चोरों' को बचाने की कोशिश में भाजपा और आरएसएस : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर शनिवार को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा और कहा कि देश की जांच एजेंसियां भी इस मामले में खामोश हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी की परतें लगातार खुल रही हैं, लेकिन भाजपा और आरएसएस से जुड़े ''बड़े चोरों'' को बचाने का काम पुरजोर तरीके से किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि श्रीराम मंदिर से करोड़ों रुपये का चढ़ावा चोरी हुआ है, लेकिन देश की जांच एजेंसियां इस मामले में खामोश हैं। कांग्रेस नेता ने इस मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग करते हुए कहा पूरे प्रकरण में जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि जिन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें मंदिर ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एक एजेंसी के माध्यम से काम पर लगाया गया था।

उप्र में अगले साल विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलेगा : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलेगा और पार्टी कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नवीन ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ बातचीत में कहा, ''आज पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा दिखाया गया प्यार और स्नेह संकेत देता है कि 2027 में कमल निश्चित रूप से खिलेगा।'' उन्होंने कहा, जिस तरह से 'डबल इंजन' सरकार मोदी-योगी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश में बदल दिया है, कमल निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में खिलने के लिए तैयार है, जहां काशी विश्वनाथ, अयोध्या और मथुरा हैं। आज हमने लखनऊ और पूरे राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच जो उत्साह देखा, उसके आधार पर हम निश्चित रूप से कह सकते हैं कि भाजपा कार्यकर्ता 2027 (विधानसभा चुनाव) के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।'' इससे पहले, नवीन का शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरे के दौरान उनके 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की योजना को कारगर बनाने के लिए वरिष्ठ नेताओं के साथ कई बैठकें करने की उम्मीद है। नवीन ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए मोटर चालित रथ पर यात्रा की, जिस पर पार्टी के शीर्ष नेताओं की तस्वीरें और सेवा, सुशासन और जनकल्याण' लिखा हुआ था।

दलाई लामा के जीवन के अहम पलों की फिर से याद दिलाती है उनकी नयी जीवनी

नई दिल्ली/भाषा। दलाई लामा की एक नयी जीवनी उनके जीवन के अहम पलों की फिर से याद दिलाती है और तिब्बत में उनके शुरुआती दिनों से लेकर दुनिया के सबसे सम्मानित आध्यात्मिक नेताओं में से एक बनने तक के उनकी यात्रा का वर्णन करती है। दलाई लामा के 91वें जन्मदिन (छह जुलाई) से पहले, वेस्टलैंड बुक्स ने अरविंद यादव की किताब इटर्नल लाइट: द लाइफ एंड लिगेसी ऑफ द फोर्टिंथ दलाई लामा' के प्रकाशन की घोषणा की। तीस जुलाई को जारी होने वाली यह पुस्तक उनके जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों का भी वर्णन करती है (मठ में अध्ययन की शांत दुनिया से लेकर वैश्विक राजनीति में उथल-पुथल तक) तथा प्रासंगिक ऐतिहासिक घटनाओं पर नयी रोशनी डालती है। यह पुस्तक निर्वासन में तिब्बती समुदाय के अपनी संस्कृति, पहचान और आस्था को संरक्षित रखने के प्रयासों की पड़ताल करती है, साथ ही उन घटनाओं को व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ प्रदान करती है जो आज भी तिब्बत के विमर्श को आकार देती हैं।

किताब के बारे में दलाई लामा ने कहा कि इससे पाठकों को तिब्बती इतिहास और तिब्बती लोगों के सामने आ रही चुनौतियों के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा, ''सबसे जरूरी बात यह है कि यह उस संदेश को आगे बढ़ाती है जिसे मैंने हमेशा फैलाना चाहा है - प्रेम, करुणा, सहनशीलता, क्षमा, दया और मानवता की एकता का संदेश।'' यादव के अनुसार, यह किताब दलाई लामा के जीवन से जुड़ी कई ऐसी बातें सामने लाती है जिनके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

कॉजपा प्रदर्शन का 15वां दिन

सोनम वांगचुक की सेहत बिगड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का जंतर-मंतर पर अनशन शनिवार को सातवें दिन भी जारी रहने के बीच, कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने कहा कि उनका वजन पांच किलोग्राम कम हो गया है और उनकी सेहत तेजी से बिगड़ रही है। संगठन ने परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग दोहराई। कॉजपा की शुरुआत करने वाले अभिजीत दीपके ने 'एक्स' पर कहा कि हर गुजरते दिन के साथ वांगचुक की हालत बिगड़ती जा रही है। उन्होंने सवाल किया कि प्रधान को पद से अब तक क्यों नहीं हटाया गया।

दीपके ने कहा, ''सोनम का वजन पांच किलोग्राम घट गया है और हर गुजरते दिन के साथ उनकी सेहत बिगड़ती जा रही है। धर्मेंद्र प्रधान को हटाने के लिए प्रधानमंत्री और कितना समय लेंगे?'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के लिए धर्मेंद्र प्रधान इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं कि 20 विद्यार्थियों की मौत के बावजूद वह अब भी उन्हें नहीं हटा रहे?'' दीपके ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि यदि सामाजिक कार्यकर्ता के साथ कुछ भी गलत

हुआ तो सरकार जिम्मेदार होगी।

दीपके ने एक व्यंग्यात्मक कार्टून भी साझा किया, जिसमें एक व्यक्ति उन कागजों को खाने की कोशिश करता दिखाई दे रहा है जिन पर ''परीक्षा पत्र'' लिखा है और दो कॉकरोच उसे रोक रहे हैं। उन्होंने कार्टून साझा करते हुए लिखा, धर्मेंद्र प्रधान वापस जाओ। वांगचुक ने शुक्रवार देर रात एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर क्षेत्र की मांगों को लेकर केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत में हुई प्रगति का स्वागत किया और सरकार से अब शिक्षा में जवाबदेही पर ध्यान देने का आग्रह किया। इससे पहले, लेह शीर्ष निकाय (एलएबी) और कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन (केडीए) के नेताओं ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने गृह मंत्रालय के साथ पिछली बैठक के विवरण पर मतभेदों को सुलझा लिया है। इस बीच, आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन' (आइसा) से जुड़े छह विद्यार्थी भी जंतर-मंतर पर अलग मंच से अपना अनशन जारी रखे हुए हैं। कॉजपा का यह आंदोलन नीट सहित परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं के विरोध में 20 जून को शुरू हुआ था।

हर्ष फायरिंग में महिला की मौत का मामला : बिहार के भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को 4 साल की कैद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को बिहार से भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को 2018 में हर्ष फायरिंग में एक महिला की मौत के मामले में चार साल की साधारण कैद और 25 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने सजा का मुख्य हिस्सा मौखिक रूप से सुनाया। उन्होंने कहा, दोषी को आईपीसी की धारा 304 भाग दो के तहत चार साल

की साधारण कैद और शस्त्र अधिनियम के तहत 2 महीने की कैद की सज़ा सुनाई गई है। न्यायाधीश गोगने ने कहा कि बिहार के साहेबगंज विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सिंह, पीड़ित के परिवार वालों को 25 लाख रुपये का मुआवज़ा भी देंगे।

इससे पहले शुक्रवार को, सिंह ने अदालत से उन्हें परिवीक्षा पर रिहा करने का आग्रह किया था। उन्होंने दलील दी कि उनकी किसी की जान लेने की कोई मंशा नहीं थी और एक जन-प्रतिनिधि के तौर पर उनका अब तक का रिकॉर्ड बेदाग रहा है। सिंह (56) को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 भाग-दो (गैर-इरादतन हत्या) और लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन से जुड़े शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया था। यह मामला यहां फतेहपुर बेरी के एक फार्महाउस में नव वर्ष के जश्न के दौरान हर्ष फायरिंग से जुड़ा है, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी। अदालत ने छह जून को सुनाए गए 97 पन्नों के आदेश में कहा था, त्योहारों या खुशी के मौकों पर फायरिंग करना एक ऐसी बुराई है, जिससे हमारे देश में अक्सर लोगों की जान चली जाती है।

अदालत ने कहा था, यह मामला भी इसी तरह की एक घटना का उदाहरण है, जिसमें बिहार के कई बार विधायक रह चुके आरोपी राजू कुमार सिंह द्वारा 31 दिसंबर 2018 और एक जनवरी 2019 की दरमियानी रात को नव वर्ष की पार्टी में कथित तौर पर लापरवाही से की गई हर्ष फायरिंग के कारण एक अतिथि की मौत हो गई। अन्य आरोपियों ने कथित रूप से घटना से जुड़े सबूत मिटाए।

दिल्ली दंगा : अदालत ने साजिश मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दोनों पक्षों की ओर से दलीलें सुनने के बाद दोनों आरोपियों को राहत देने से इनकार कर दिया। खालिद और इमाम ने जमानत अर्जियां दायर करते हुए दलील दी कि मुकदमा शुरू हुए बिना उन्हें लगातार जेल में रखना स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

खालिद की याचिका में यह भी दलील दी गई कि भले ही उच्चतम न्यायालय ने उनकी पिछली अर्जी खारिज कर दी थी, लेकिन बाद में हुए न्यायिक घटनाक्रम से हालात में ''बदलाव'' आया है। उन्होंने एक दूसरे मामले में मई में अदालत द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी जमानत ही नियम है। उच्चतम न्यायालय द्वारा पांच जनवरी को यूएपीए के तहत दर्ज मामले में जमानत देने से इनकार करने के बाद नई याचिकाएं दायर की गईं। अपनी अर्जी में इमाम ने कहा कि उच्चतम न्यायालय से जमानत न मिलने के छह महीने बाद भी मामले की कार्यवाही में कोई ''खास प्रगति'' नहीं हुई है और वह लगभग छह साल से हिरासत में हैं।

याचिका में इस बात पर जोर दिया गया कि आरोपी के लंबे समय से जेल में बंद होने के बावजूद, इस मामले में अभी तक आरोप तय नहीं किए गए हैं। खालिद ने भी अपनी याचिका में यह दलील दी है। याचिका में आतंक से जुड़े एक मामले में उच्चतम न्यायालय के 18 मई के आदेश में की गई टिप्पणियों का जिक्र किया गया। आरोपी को जमानत देते समय, दो न्यायाधीशों की पीठ ने इस बात पर जोर दिया था कि आतंकवाद-रोधी कानून का इस्तेमाल अनिश्चित काल तक हिरासत में रखने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। खालिद ने दलील दी कि बाद में हुई न्यायिक घटनाओं से ''हालात में बदलाव'' आया है, जिससे उनकी मौजूदा जमानत याचिका सुनवाई योग्य है, भले ही उच्चतम न्यायालय ने उनकी पिछली याचिका खारिज कर दी थी। फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के पीछे एक बड़ी साजिश में शामिल होने के आरोप में खालिद, इमाम और कई अन्य लोगों पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह हिंसा संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी, जिसमें 53 लोगों की मौत हो गई थी और 700 लोग घायल हुए थे।

सुविचार

दूसरों की मदद करने के लिए धन की नहीं, बल्कि एक शुद्ध और उदार ष्ठद्व द्ध ष्ठश्व)मन की आवश्यकता होती है।

ट्वीट

यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकारी कार्यक्रमों में भी इगझ नेता की तरह व्यवहार करते हैं। आज प्रधानमंत्री ने रिफाइनरी उद्घाटन के मौके पर कहा कि कांग्रेस सरकार के समय 2018 से 2023 तक रिफाइनरी का काम रुका हुआ था।

-अशोक गहलोत

लिंगैक्य परम, श्री मठ, कनकपुरा के परम पूजनीय परम पावन श्री श्री श्री डॉ. मुम्मदी निर्वाण महास्वामीजी के पुण्य संगमरण उत्सव कार्यक्रम में भाग लेते हुए बोलने के कुछ पल।

-डीके शिवकुमार

कहानी

मंजिल

स्टेशन के प्लेटफार्म पर लगे लैम्पपोस्ट की हल्की रोशनी अभी भी दिख रही थी। सुबह होने के बाद वहां लोगों की काफी हलचल थी। उसकी नम आंखें अमर को खोज रही थीं। अमर को देखते ही उसने अपना सामान उठाया और बेबी के साथ प्लेटफार्म पर उतर गई। उसके चेहरे पर पश्चाताप के आंसू ढुलकने लगे। उसने अपनी जिद और नासमझी से अमर के अंदर महकते रिश्ते के गुलाब की पंखुड़ियों को नोच डाला था। वह किसी मुजरिमों की तरह अमर से अपना मुंह छुपा रही थी।

महानगर में रह रहे सरला के छोटे भैया समर के फ्लैट की बालकनी से समन्दर का खूबसूरत दृश्य दिखाई देता था। वह जब भी यहां आती तो बालकनी में खड़ी समन्दर की ओर घन्टों देखती रहती थी। उसके विवाह होने और पुत्री बेबी के जन्म होने के बाद भी उसका यहां आने के बाद यह सिलसिला जारी था। किनारे के पार जाने का सामर्थ्य होने के बावजूद हर बार किनारे से टकराकर समन्दर की ओर मचलती , उछलती और करवटें बदलती लहरें लौट जाती थीं। पानी को चीरते हुए जहाज और नावें आवाजाही किया करते थे। अपने डैने फैलाए उड़ते परिन्दों की आवाजें दूर – दूर तक फैले समन्दर के दृश्य को जीवंत कर देते थे। किनारे पर लहरों के साथ आए छोटे जीव वापिस समन्दर में जाने के लिए छटपटा रहे होते थे। ऐसी ही छटपटाहट उसकी ज़िंदगी में भी थी। उसकी ज़िंदगी में एक अजीब सा अकेलापन और अधूरापन आ गया था। उसे अपने पति अमर से अलग रहने के दर्द के साथ कहीं कुछ टूटने की आह और ज़िंदगी से कुछ शिकायतें भी थीं। वह जानती थी कि इसके लिए खुद जिम्मेदार थी। इस बार उसको महानगर आए कुछ ही दिन हुए थे। लेकिन उसका मन नहीं लग रहा था। बालकनी में बैठे हुए अपने बारे में सोचकर वह परेशान हो गई। उसको लगने लगा कि उसकी ज़िंदगी एक कहानी बनती जा रही थी। वह अपनी ज़िंदगी में आई सभी परेशानियों से मुक्त हो जाना चाहती थी। उसकी सूखी आंखों में आंसू आ गए। अपने भरे हुए गले और मन से कमरे में आकर बेड पर लेट गई। उसकी खामोशी , बौखलाहट और आंखों में आंसू के साथ कमरे में सन्नाटा पसरा हुआ था। पीहर वालों को उसने अपने पति और ससुराल वालों से अलग रहने पर उठते सवालों का जवाब दे दिया था। इस बार वह अपना दर्द किसी को नहीं बता पा रही थी। उसने समर को अपना और बेबी का बड़े भैया के यहां दिल्ली जाने का कहकर टिकट की व्यवस्था करने के लिए कहा। समर और उसकी पत्नी द्वारा उसे वहीं रहने के लिए बहुत समझाने के बाद भी वह नहीं मानी । समर ने बड़े भैया को दिल्ली फोन कर इस बारे में बता दिया ।

उस दिन सुबह से ही आसमान बादलों से घिरा था। दिन भर बारिश होती रही थी। शाम को सरला अपनी पुत्री बेबी के साथ दिल्ली जाने के लिए समय पर स्टेशन पहुंच गई थी । हमेशा की तरह समर और उसकी पत्नी उन्हे स्टेशन तक छोड़ने आए थे। लेकिन खराब मौसम के कारण वो ट्रेन रवाना होने से पहले ही अपने घर रवाना हो गए थे। ट्रेन के डिब्बे में अपनी बर्थ के नीचे सामान रखकर सरला और बेबी बर्थ पर लेट गए। सरला अपनी ज़िंदगी में जो कुछ भी घटित हो रहा था उससे खुद को भीतर और बाहर से बुरी तरह हताश और टूटा हुआ महसूस कर रही थी। यही सब सोचते हुए वह यादों के गलियारों में घूमने लगी।

सरला चार भाइयों की इकलौती छोटी बहन थी। उसके बचपन में ही माता –पिता के निधन के बाद भाइयों ने उसे बहुत प्यार से पाला था। सभी भाई अपनी नौकरी के बाद विवाह और परिवार के साथ अलग – अलग शहर में बस गए थे। उसकी जहां भी इच्छा होती उस भाई के यहां रहने चली जाती। सभी भाई और उनके परिवार सरला को बहुत प्यार और महत्व देते थे। गुजरते समय के साथ उसकी पढ़ाई पूरी होने के बाद भाइयों ने उसकी सहमति से अमर के साथ उसके विवाह का रिश्ता पक्का कर दिया था। चार बहनों का इकलौता छोटा भाई अमर एक बैंक में अधिकारी था। अपने विवाह की तारीख तय होने वाले दिन से ही वह भविष्य के सपने बुनते हुए उनमें खोने लगी थी। अपने प्रियतम की तस्वीर जो उसने जेहन में बना रखी थी अमर वैसा ही था। वह शुभ दिन भी आया जब धूमधाम से उसका विवाह अमर से हो गया। अपने पीहर से ससुराल के दूसरे शहर जाते समय रास्ते में उसके मन में ससुराल और वहां के लोगों को लेकर ढेर सारी कल्पनाएं किसी तालाब की सतह पर बर्फ के टुकड़ों की तरह तैर रही थीं।

ससुराल में कुछ दिन सुख शांति से गुजारने के बाद उसको लगने लगा कि उनमें और उसके विचारों और जीवनशैली में जमीन आसमान का अंतर था। उसका ससुराल एक परम्परागत और रीति – रिवाजों की दहलीज में रहने वाला परिवार था। सरला को यहां का माहौल और परिवार के लोग पसन्द नहीं थे। यहां सभी लोग गम्भीर स्वभाव और अनुशासित जीवन शैली के थे। सरला को उनकी बहुत सी आदतें , पसन्द – नापसन्द अच्छे नहीं लगते थे। अपने बुजुर्ग सास – ससुर का खान – पान और रहन – सहन उसे बिल्कुल नहीं सुहाता था। अमर का अपना ज्यादातर समय साहित्य को देना और बागवानी करना भी उसको नागवार गुजरता था।

सरला का ज्यादातर समय अपने पीहर वालों से मोबाइल फोन पर बातें करने में ही बीतता था। उसकी दिनचर्या , पहनावे और व्यवहार को उसके सास – ससुर सहजता से नहीं ले पा रहे थे। सरला की जीवनशैली से अमर भी खुश नहीं था। वह उसे समझाता था कि वे लोग अभी इतने आधुनिक नहीं हुए थे कि उनके परिवार और समाज में यह बातें सामान्य हों। सरला कुछ भी समझने के लिए तैयार नहीं थी। उसका कहना था कि वह अपने विवाह बंधन को पिंजरा नहीं बना सकती । जहां उसका अस्तित्व एक पंख कटे पंछी की तरह रह जाए। एक दिन सरला ने अमर से कहा कि उन्हे अलग मकान लेकर रहना होगा। क्योंकि वह उसके माता – पिता के साथ नहीं रह सकती थी। यह सुनकर अमर के चेहरे पर चढ़ते उतरते आश्चर्य के भावों के साथ आंखों से आंसू ढुलकने लगे। अमर ने इसके लिए साफ इनकार कर दिया। उसके लिए किसी भी स्थिति में यह सम्भव नहीं था। उसने सरला को कहा कि वह ससुराल के परिवार के प्रति अपना दृष्टिकोण और विचार बदले। अपने मन में उनके प्रति प्यार जगाकर अपने व्यवहार में बदलाव लाए। उसका परिवार के प्रति नजरिया बदलने से सब कुछ बदल जाना था। ऐसा नहीं होने पर एक साधारण लेकिन प्रतिष्ठित परिवार की तबाही होना तय था। इन सबके बावजूद अमर के मन में उसके लिए कोई कड़वाहट नहीं थी।

अमर की किसी भी बात का उस पर कोई असर नहीं हुआ। ससुराल में सभी की भावनाओं का सम्मान करने का सुनकर वह गुस्से से झनझना उठी। उसने अमर को बहुत खरी – खोटी सुनाई। वह कहने लगी कि इन हालात में उसने भविष्य को लेकर जो सपने देखे थे वो कभी पूरे नहीं हो सकते थे। अपने ससुराल वालों से बिना किसी कारण नापसंदगी से उसका असंतोष उबलकर बाहर आ गया था। अपना वहां रहना नामुमकिन होने का कहकर विवाह के चार महीने बाद वह अपने पीहर चली गई।

पीहर में सभी ने उसे बहुत समझाया कि समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। लेकिन उसकी समझ में कुछ नहीं आया। वह एक ही सूरत में अमर के पास जाने के लिए तैयार थी कि अमर अपने माता – पिता से अलग मकान लेकर रहे।अमर के कई बार उसे लेने आने के बाद भी वह नहीं गई। इस दौरान उसने एक पुत्री को जन्म दिया। अमर ने प्यार से उसका नाम बेबी रखा था। बेबी के जन्म के बाद जब उसके ससुराल वाले उन्हे लेने आए तो सरला ने मना कर दिया। पीहर में रहते हुए उसे चार वर्ष हो गए थे। इतने वर्षों में वह एक बार भी अपने ससुराल नहीं गई। वह अपने भाइयों के यहां समय के टुकड़ों में रहते हुए अपनी ज़िंदगी जी रही थी। उसके पास सब कुछ होते हुए भी रहने का कोई स्थायी ठिकाना नहीं था। अपनी जिद के कारण वह खानाबदोश की ज़िंदगी जी रही थी।

सरला के पति और ससुराल वालों से अलग अपने पीहर में रहने से समाज और जानकारों में तरह – तरह की अफवाहें और शंकाएं जन्म लेने लगी थीं। लोग आपस में कानाफूसी करते हुए उसे ही दोषी मान रहे थे। इसका खामियाजा कहीं बेबी को नहीं उठाना पड़ जाए इसलिए उनकी अस्पष्ट आवाजें आशंकित थीं। ट्रेन के किसी स्टेशन पर रुकने से आए हल्के झटके से वह वर्तमान में लौटी। घड़ी रात के बारह बजा रही थी। उसने खिड़की से बाहर झांककर स्टेशन का नाम पढ़ा। उसने अंदाजा लगाया कि ट्रेन लगभग तीन घन्टे देर से चल रही थी।डिब्बे में सभी नींद के आगोश में थे। उसकी आंखों से नींद गायब थी। खुली खिड़की से अंधेरा डिब्बे में घुसपैठ कर रहा था। उसके मन में बेचैनी सी होने लगी। उसे लगने लगा कि उसने अमर और अपने ससुराल वालों के साथ अच्छा व्यवहार कभी नहीं किया। ससुराल के जाने पहचाने पल और दृश्य उसकी आंखों के सामने चलने लगे। अपने व्यवहार के कारण ससुराल वालों को हुआ दर्द उसके दिल में चुभने लगा था। रात के दो बज रहे थे। उसने अपने मोबाइल फोन से अमर को फोन कर कहा कि वह उसके पास अपने ससुराल लौटना चाहती है। उसका दर्द फूट कर आंसुओं के साथ बहने लगा। अमर ने उससे ट्रेन का नम्बर और पहुंचने का समय पूछकर उसे शांत हो जाने के लिए कहा। वह आंखें बंद करके लेट गई। उसे कब नींद आ गई पता ही नहीं चला। उसकी आंख खुली तो देखा कि रात अपने आखिरी लम्हे गिन रही थी। उसकी लम्बी रातों में एक दिन सुबह फिर आ ही गई थी। कुछ ही देर में उसके ससुराल वाले शहर का स्टेशन आ गया। यहां से दिल्ली का तीन घन्टे का ट्रेन का सफर बाकी था।

स्टेशन के प्लेटफार्म पर लगे लैम्पपोस्ट की हल्की रोशनी अभी भी दिख रही थी। सुबह होने के बाद वहां लोगों की काफी हलचल थी। उसकी नम आंखें अमर को खोज रही थीं। अमर को देखते ही उसने अपना सामान उठाया और बेबी के साथ प्लेटफार्म पर उतर गई। उसके चेहरे पर पश्चाताप के आंसू ढुलकने लगे। उसने अपनी जिद और नासमझी से अमर के अंदर महकते रिश्ते के गुलाब की पंखुड़ियों को नोच डाला था। वह किसी मुजरिमों की तरह अमर से अपना मुंह छुपा रही थी।

बेबी को गोदी में लेकर अमर सरला के सिर पर अपना हाथ फेरने लगा। अमर की आंखों में ढेर सारा प्यार था। इस स्पर्श ने उनके बीच पिछले वर्षों की दूरी को पाट दिया था। अमर ने प्यार से उसके कन्धे पर हाथ रखकर कहा अब तुम्हे खानाबदोश की तरह ज़िंदगी जीने की जरुरत नहीं है। आओ अपने घर चलो। यह सुनकर उसके चेहरे पर मुस्कुराहट खिल उठी। एक ऐसी मुस्कुराहट जो खुशी के आंसुओं का प्रतिबिंब थी। प्लेटफार्म पर एक पेड़ के नीचे खड़े होकर वो बाहर निकलने वाले लोगों की भीड़ कम होने का इंतजार करने लगे। दिन निकल चुका था। सूरज ने अपनी रोशनी बिखेरनी शुरु कर दी थी। पेड़ की घनी पत्तियों से छनकर हल्की धूप उनके चेहरे पर गिर रही थी। ज़िंदगी ने उसे भरपूर जीने का दुबारा मौका दिया था। उसकी आंखों में चमक थी। वह भी उड़ान के लिए अपने पंख फैलाए तैयार थी। ट्रेन का गार्ड दूर खड़ा हरी टॉर्च दिखाता हुआ सीटी बजा रहा था। इंजन के सिटी देते ही गाड़ी अपनी मंजिल की ओर चल दी। सरला अपने पीहर वालों को मोबाइल फोन पर अपने अमर के साथ रहने की सूचना देकर अपनी मंजिल की ओर चल दी।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

बूँदें

लगभग एक घंटे पहले छिटपुट बारिश हुई है। भोजन के पश्चात घर की बालकनी में आया तो वहाँ का दृश्य देखकर मन प्रफुल्लित हो उठा। सुरक्षा जाली की सलाखों पर पानी की मोटी बूँदें झूल रही थीं। बालकनी के पार खड़े विशाल पेड़ अपनी फुनगियों पर गुलाबी फूलों से लकदक यों झूम रहे थे मानों सुबह-सवेरे कोई मुनिया अपनी चोटियों पर दो गुलाबी रिबन कसे इठलाती हुई स्कूल जा रही हो। इस दृश्य को कैमरे में उतारने का मोह संवरण न कर सका।

मोबाइल के कैमरे ने चित्र उतारा तो मन का कैमरा चित्र को मस्तिष्क की तरंगों तक ले गया और मन-मस्तिष्क का गठजोड़ विचार करने लगा। क्या हमारा क्षणभंगुर जीवन साँसों का आलंबन लिए इन बूँदों जैसा नहीं है? हर बूँद को लगता है जैसे वह कभी न ढलेगी, न ढलकेगी। सत्य तो यह है कि अपने ही भार से बूँद प्रतिपल माटी में मिलने की ओर बढ़ रही है।

कालातीत सत्य का अनुपम सौंदर्य देखिए कि बूँद माटी में मिलेगी तो माटी उम्मीद से होगी। माटी उम्मीद से होगी तो अंकुर फूटेंगे। अंकुर फूटेंगे तो पौधे पनपेंगे। पौधे पनपेंगे तो वृक्ष खड़े होंगे। वृक्ष खड़े होंगे तो बादल घिरेंगे। बादल घिरेंगे तो बारिश होगी। बारिश होगी तो बूँदें टपकेंगी। बूँदें टपकेंगी तो सलाखें भीगेंगी। सलाखें भीगेंगी तो उन पर पानी की मोटी बूँदें झूलेंगी...!

वस्तुत: सलाखें, बूँदें, पेड़, सब प्रतीक भर हैं। जीवात्मा असीम आनंद के अनंत चक्र की चौरासी कोसी परिक्रमा कर रहा है। बरसाती बादल की तरह छिपते-दिखते इस चक्र को अद्वैत भाव से देख सको तो जीवन के ललाट पर सतरंगा इंद्रधनुष उमगेगा।...इंद्रधनुष उमगने के पहले चरण में चलो निहारते हैं सलाखें, बूँदें और पेड़...!

बोध कथा

चतुर खरगोश और शेर

किसी घने वन में एक बहुत बड़ा शेर रहता था। वह रोज शिकार पर निकलता और एक ही नहीं, दो नहीं कई-कई जानवरों का काम तमाम देता। जंगल के जानवर डरने लगे कि अगर शेर इसी तरह शिकार करता रहा तो एक दिन ऐसा आयेगा कि जंगल में कोई भी जानवर नहीं बचेगा।

सारे जंगल में सनसनी फैल गई। शेर को रोकने के लिये कोई न कोई उपाय करना ज़रूरी था। एक दिन जंगल के सारे जानवर इकट्ठा हुए और इस प्रश्न पर विचार करने लगे। अन्त में उन्होंने तय किया कि वे सब शेर के पास जाकर उनसे इस बारे में बात करें। दूसरे दिन जानवरों के एक दल शेर के पास पहुंचा। उनके अपनी ओर आते देख शेर घबरा गया और उसने गरजकर पूछा, ''क्या बात है ? तुम सब यहां क्यों आ रहे हो ?''

जानवर दल के नेता ने कहा, ''महाराज, हम आपके पास निवेदन करने आये हैं। आप राजा हैं और हम आपकी प्रजा। जब आप शिकार करने निकलते हैं तो बहुत जानवर मार डालते हैं। आप सबको खा भी नहीं पाते। इस तरह से हमारी संख्या कम होती जा रही है। अगर ऐसा ही होता रहा तो कुछ ही दिनों में जंगल में आपके सिवाय और कोई भी नहीं बचेगा। प्रजा के बिना राजा भी कैसे रह सकता है ? यदि हम सभी मर जायेंगे तो आप भी राजा नहीं रहेंगे। हम चाहते हैं कि आप सदा हमारे राजा बने रहें। आपसे हमारी विनती है कि आप अपने घर पर ही रहा करें। हर रोज स्वयं आपके खाने के लिए एक जानवर भेज दिया करेंगे। इस तरह से राजा और प्रजा दोनो ही चैन से रह सकेंगे।'' शेर को लगा कि जानवरों की बात में सच्चाई है। उसने पलभर सोचा, फिर बोला अच्छी बात है। मैं तुम्हारे सुझाव को मान लेता हूं। लेकिन याद रखना, अगर किसी भी दिन तुमने मेरे खाने के लिये पूरा भोजन नहीं भेजा तो मैं जितने जानवर चाहूंगा, मार डालूंगा।'' जानवरों के पास तो और कोई चारा नहीं। इसलिये उन्होंने शेर की शर्त मान ली और अपने-अपने घर चले गये।

उस दिन से हर रोज शेर के खाने के लिये एक जानवर भेजा जाने लगा। इसके लिये जंगल में रहने वाले सब जानवरों में से एक-एक जानवर, बारी-बारी से चुना जाता था। कुछ दिन बाद खरगोशों की बारी भी आ गई। शेर के भोजन के लिये एक नन्हें से खरगोश को चुना गया। वह खरगोश जितना छोटा था, उतना ही चतुर भी था। उसने सोचा, बेकार में शेर के हाथों मरना मूर्खता है। अपनी जान बचाने का कोई न कोई उपाय अवश्य करना चाहिये, और हो सके तो कोई ऐसी तरकीब ढूंढ़नी चाहिये जिसे सभी को इस मुसीबत से सदा के लिए छुटकारा मिल जाये। आखिर उसने एक तरकीब सोच ही निकाली।

खरगोश धीरे-धीरे आराम से शेर के घर की ओर चल पड़ा। जब वह शेर के पास पहुंचा तो बहुत देर हो चुकी थी।

भूख के मारे शेर का बुरा हाल हो रहा था। जब उसने सिर्फ एक छोटे से खरगोश को अपनी ओर आते देखा तो गुस्से से बौखला उठा और गरजकर बोला, ''किसने तुम्हें भेजा है ? एक तो पिद्दी जैसे हो, दूसरे इतनी देर से आ रहे हो। जिन बेवकूफों ने तुम्हें भेजा है मैं उन सबको ठीक करूंगा। एक-एक का काम तमाम न किया तो मेरा नाम भी शेर नहीं।''

नन्हे खरगोश ने आदर से ज़मीन तक झुककर, ''महाराज, अगर आप कृपा करके मेरी बात सुन लें तो मुझे या और जानवरों को दोष नहीं देंगे। वे तो जानते थे कि एक छोटा सा खरगोश आपके भोजन के लिए पूरा नहीं पड़ेगा, 'इसलिए उन्होंने छह खरगोश भेजे थे। लेकिन रास्ते में हमें एक और शेर मिल गया। उसने पांच खरगोशों को मारकर खा लिया।''

यह सुनते ही शेर दहाड़कर बोला, ''क्या कहा ? दूसरा शेर ? कौन है वह ? तुमने उसे कहां देखा ?'' ''महाराज, वह तो बहुत ही बड़ा शेर है'', खरगोश ने कहा, ''वह ज़मीन के अन्दर बनी एक बड़ी गुफा में से निकला था। वह तो मुझे ही मारने जा रहा था। पर मैंने उससे कहा, 'सरकार, आपको पता नहीं कि आपने क्या अन्धेर कर दिया है। हम सब अपने महाराज के भोजन के लिये जा रहे थे, लेकिन आपने उनका सारा खाना खा लिया है। हमारे महाराज ऐसी बातें सहन नहीं करेंगे। वे ज़रूर ही यहाँ आकर आपको मार डालेंगे।' ''इस पर उसने पूछा, 'कौन है तुम्हारा राजा ?' मैंने जवाब दिया, 'हमारा राजा जंगल का सबसे बड़ा शेर है।'''महाराज, 'मेरे ऐसा कहते ही वह गुस्से से लाल-पीला होकर बोला बेवकूफ इस जंगल का राजा सिर्फ मैं हूं। यहां सब जानवर मेरी प्रजा हैं। मैं उनके साथ जैसा चाहूं वैसा कर सकता हूं। जिस मूर्ख को तुम अपना राजा कहते हो उस चोर को मेरे सामने हाजिर करो। मैं उसे बताऊंगा कि असली राजा कौन है।' महाराज इतना कहकर उस शेर ने आपको लिवाने के लिए मुझे यहां भेज दिया।''

वीर गाथा

नायक राधाकृष्णन : 'मिशन कामयाब हो, मुझे अपने घावों की बिल्कुल परवाह नहीं'

नायक राधाकृष्णन सी का जन्म तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले के कत्तूर गांव में हुआ था। वे छात्र जीवन से ही बहुत साहसी, निडर और मेहनती थे। ये गुण उन्हें सेना में ले आए, जहां उन्होंने कई बार असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया। उन्हें मद्रास रेजिमेंट की 10वीं बटालियन में शामिल किया गया था। नायक राधाकृष्णन अक्टूबर 2006 में अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा ज़िले में तैनात थे। वहां आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान चलाए जा रहे थे। वे 18 अक्टूबर की सुबह एक सर्च टीम का नेतृत्व कर रहे थे। टीम को कुछ आतंकवादियों के छिपे होने का शक था। वह उनका पता लगाने के लिए इलाके में तलाशी अभियान चला रही थी।

राधाकृष्णन ने घनी झाड़ियों के बीच एक संदिग्ध हरकत देखी। उन्होंने तुरंत खतरा भांप लिया और अपने जवानों को सावधान कर दिया। इसके बाद वे आगे बढ़े। उन्हें देखकर आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की।

राधाकृष्णन ने तुरंत गोलियां चलाईं। इसके साथ ही मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादियों ने उनकी ओर ग्रेनेड फेंके। इसके बावजूद राधाकृष्णन ने एक आतंकवादी को वहीं ढेर कर दिया। हालांकि वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उन्होंने पीछे हटने से इन्कार किया और आतंकवादियों से मुकाबला करते रहे। नायक राधाकृष्णन ने अपने जवानों का हौसला बढ़ाया और आतंकवादियों पर जोरदार हमला बोला। वे भारी गोलीबारी के बीच आगे बढ़ते रहे। उन्होंने ग्रेनेड फेंककर दुश्मन के होश उड़ा दिए। इससे दो आतंकवादी और धराशायी हो गए।

राधाकृष्णन चाहते थे कि मिशन कामयाब हो। उन्होंने अपने घावों की परवाह न करते हुए सिर्फ मिशन पर ध्यान केंद्रित किया। वे भारत मां के लिए बलिदान हो गए। उन्होंने देश की रक्षा करते हुए साहस, शौर्य और वीरता का अद्भुत प्रदर्शन किया। उन्हें 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की आरओ पेयजल यूनिट का शिलान्यास समारोह हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकूरु। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, जन-स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और पानी से होने वाली बीमारियों को रोकने के लिए शनिवार को तुमकुरु ज़िले में आरओ पेयजल यूनिट के शिलान्यास समारोह का आयोजन किया। समारोह में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने शिरकत की। पेयजल ज़रूरत को पूरा करने के लिए छह जगहों - बेलिगेरे, कंबेरहट्टी, होसाहट्टी, मुदलापाल्या, जुंजाप्पानहट्टी और सोमलापुरा - पर 500 लीटर प्रति घंटा क्षमता वाली आरओ यूनिट लगाई जाएंगी। इनसे 29 गांवों के 9,200 लोगों को फ़ायदा होगा।

मंत्री वी सोमन्ना ने कहा, 'विकास तभी सार्थक होता है, जब वह लोगों के रोज़मर्रा के जीवन को बेहतर बनाता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की इस पहल से तुमकूरु के गांवों के हज़ारों निवासी लाभान्वित होंगे। मैं समाज के विकास के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता और ग्रामीण भारत की आकांक्षाओं को समर्थन देने की उसकी कोशिशों की सराहना करता हूं।' टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड एवं कॉर्पोरेट मामलों के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने कहा, 'स्वच्छ पेयजल एक बुनियादी ज़रूरत है।

हर परिवार इसका हकदार है। स्वच्छ पेयजल मिलने से पूरे समाज की सेहत और रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर अच्छा असर होता है। हम ऐसे काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो समाज की असल ज़रूरतें पूरी करें और जहां सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो, वहां सार्थक बदलाव लाएं।'

मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाएं खिलौना उद्योग : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को घरेलू खिलौना उद्योग से कहा कि वे विभिन्न देशों के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाएं, टिकाऊ विनिर्माण के तौर-तरीके अपनाएं और अगले छह साल में वैश्विक खिलौना बाजार में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखें। गोयल ने यहां 17वीं टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी' प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए उद्योग जगत को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य मुश्किल नहीं है और उद्योग को वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने की क्षमता बढ़ाने के लिए गुणवत्ता और आधुनिक विनिर्माण के तरीकों पर ध्यान देना चाहिए।

वैश्विक खिलौना उद्योग लगभग 120 अरब डॉलर का होने का अनुमान है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 0.3 प्रतिशत है। भारत का घरेलू खिलौना बाजार लगभग 18,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें आयातित खिलौनों की हिस्सेदारी केवल 2,500-3,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा, ''पांच प्रतिशत का लक्ष्य मुश्किल नहीं है, हम इसे हासिल कर सकते हैं। इसके लिए हमें मिलकर काम करना होगा।'' गोयल ने यह भी कहा कि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते इस क्षेत्र के लिए निर्यात का एक बड़ा बाजार खोलेंगे। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि उद्योग आने वाले वर्षों में अपने निर्यात को दस गुना बढ़ाए। वर्ष 2024 में भारत का खिलौना निर्यात 34 करोड़ डॉलर रहा था।

मंत्री ने उद्योग को भरोसा दिलाया कि सरकार देश भर में खिलौना बनाने वाले संकुल में आधुनिक परीक्षण सुविधाएं स्थापित करेगी। यह काम भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), राष्ट्रीय परीक्षण शाला और अन्य सरकारी तथा अर्द्ध-सरकारी परीक्षण सुविधाओं के जरिए किया जाएगा। गोयल ने विभिन्न देशों के साथ अंतिम रूप दिये गये नौ मुक्त व्यापार समझौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन समझौतों से विकसित और उच्च आय वाले बाजारों तक पहुंच मिलती है, जहां उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को बेहतर मूल्य मिल सकता है। गोयल ने विनिर्माताओं से कहा कि वे दुनिया भर में, खासकर भारत के नौ एफटीए में शामिल 38 देशों में व्यापार प्रतिनिधिमंडल भेजें।

सलमान खान फिल्म्स ने 'मातृभूमि' में देरी की खबरों का खंडन किया

मुंबई/भाषा। अभिनेता सलमान खान अभिनीत फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' के निर्माताओं ने शनिवार को उन खबरों को खारिज किया, जिनमें दावा किया गया था कि प्रमाणन संबंधी दिक्कतों के कारण फिल्म को रिलीज करने में देरी हुई है। निर्माताओं ने कहा कि फिल्म को अभी तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पास प्रमाणन के लिए भेजा ही नहीं गया है। सलमान खान की निर्माण कंपनी सलमान खान फिल्म्स ने एक बयान में कहा कि फिल्म प्रमाणन का काम स्थगित रखे जाने संबंधी खबरें ''झूठी'' और ''पूरी तरह निराधार'' हैं।

निर्माण कंपनी ने इंस्टाग्राम पर जारी बयान में कहा, मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर सीबीएफसी के साथ किसी तरह की समस्या आने या इसके प्रमाणन पर रोक लगाए जाने के दावे गलत हैं। फिल्म को अभी तक प्रमाणन के लिए सीबीएफसी के पास भेजा ही नहीं गया है, इसलिए इस तरह की सभी खबरें पूरी तरह निराधार हैं। सलमान खान फिल्म्स ने मीडिया संस्थानों और लोगों से अपुष्ट सूचनाएं प्रसारित नहीं करने की भी अपील की। बयान में कहा गया, फिल्म से जुड़ी किसी भी आधिकारिक जानकारी की घोषणा केवल सलमान खान फिल्म्स अपने आधिकारिक मंचों से ही करेगी।

महिलाओं की उम्र समस्या, पुरुषों की उम्र अनुभव क्यों? : ईशा कोप्पिकर

मुंबई/एजेन्सी

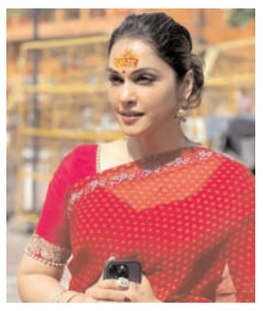

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर अक्सर सामाजिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने के लिए जानी जाती हैं। इस बार उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में उम्र और महिलाओं को लेकर मौजूद 'दोहरे मापदंड' पर सवाल उठाए हैं। ईशा का कहना है कि फिल्मों में बड़ी उम्र के पुरुष कलाकारों का अपने से काफी कम उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करना सामान्य माना जाता है, लेकिन जब कोई महिला अपनी बढ़ती उम्र के बावजूद आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान जीती है, तो उसे उसकी उम्र का एहसास कराया जाता है। ईशा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, ''यह बहुत अजीब बात है कि एक पुरुष की बढ़ती उम्र को अनुभव कहा जाता है, जबकि एक महिला की बढ़ती उम्र को समस्या बना दिया जाता है।

फिल्मों में हम अक्सर देखते हैं कि हीरो अपनी आधी उम्र की लड़कियों के साथ रोमांस करते हैं और इसे पूरी तरह सामान्य माना जाता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''लेकिन अगर कोई महिला स्टाइलिश हो, अपनी बात खुलकर रखे और अपनी पहचान को जीती है, तो उससे कहा जाता है कि 'अब आपकी उम्र हो गई है, अपनी उम्र के हिसाब से व्यवहार कीजिए।' जबकि सच यह है कि समय के साथ महिला कमजोर नहीं होती, बल्कि और ज्यादा समझदार बनती है। उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। उसकी खूबसूरती सिर्फ चेहरे में नहीं, बल्कि उसके जीवन के सफर में दिखाई देती है। चेहरे की झुर्रियां सिर्फ उम्र नहीं बतातीं, बल्कि उसके संघर्ष, अनुभव और जीवन की कहानी भी बयां करती हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि हर महिला अगर लंबा जीवन जीती है, तो उसका उम्र बढ़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, ''आपकी मां, पत्नी, बहन, बेटी और एक दिन आप खुद भी उम्रदराज होंगे। हर किसी की उम्र बढ़ती है। इसलिए बढ़ती उम्र को अपमान का कारण मत बनाइए। हर उम्र की महिला का सम्मान कीजिए। उसकी उम्र नहीं, बल्कि उसके जीवन के सफर को देखिए। उसकी त्वचा नहीं, बल्कि उसकी ताकत को पहचानिए। याद रखिए, सम्मान की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती और आत्मविश्वास की भी कोई उम्र नहीं होती।''अपने पोस्ट के कैप्शन में ईशा ने लिखा, ''दुनिया ने बहुत लंबे समय तक खूबसूरती को उम्र से जोड़कर देखा है। शायद असली खूबसूरती का उम्र से कभी कोई संबंध था ही नहीं।'' गौरतलब है कि बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जिनमें उम्रदराज पुरुष कलाकारों को उनसे काफी कम उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांटिक जोड़ी के रूप में दिखाया गया है। हाल के वर्षों में 'दे दे प्यार दे' में अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह, 'टीकू वेड्स शेरू' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर और 'आप जैसा कोई' में आर. माधवन और फातिमा सना शेख की जोड़ी इसी तरह के उदाहरण मानी जाती है।

कलाकारों के एक समूह ने श्वेता मेनन पर नए आरोप लगाए

कोच्चि/भाषा। एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स (अम्मा) में जारी विवाद शनिवार को और गहरा गया। संगठन के संचालन के लिए गठित तदर्थ समिति के कामकाज पर अदालत द्वारा रोक लगाए जाने के एक दिन बाद कुछ अभिनेत्रियों ने पूर्व अध्यक्ष श्वेता मेनन पर नए आरोप लगाए। ये आरोप अभिनेत्री माला पार्वती, अंसिबा हसन, उषा हसीना और माया विश्वनाथ ने यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में लगाए। पार्वती ने आरोप लगाया कि संगठन के नेतृत्व के कुछ फैसलों पर सवाल उठाने के कारण अंसिबा हसन को संगठन के भीतर ''सांप्रदायिक'' और ''जिहादी'' करार देने की कोशिश की गई। उन्होंने दावा किया, ''अंसिबा को निशाना बनाया गया और उन्हें सांप्रदायिक तथा जिहादी के रूप में पेश करने की कोशिश की गई।'' पार्वती ने यह भी आरोप लगाया कि श्वेता मेनन ने अम्मा' को एक राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप चलाने की कोशिश की। उन्होंने एक वीडियो साक्षात्कार का भी जिक्र किया, जिसमें भाजपा नेता पद्मजा मेनन ने कथित तौर पर संगठन को अदाणी समूह की ओर से 15 करोड़ रुपये का दान मिलने की संभावना का उल्लेख किया था।पार्वती ने संवाददाता सम्मेलन में एक वीडियो प्रदर्शित करने के बाद कहा, ''एक नेता कह रही हैं कि श्वेता की साख के आधार पर किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी से 15 करोड़ रुपये लाए जा सकते हैं। हमें किसी भी बहुराष्ट्रीय कंपनी से 15 करोड़ रुपये नहीं चाहिए।'' पार्वती ने यह भी आरोप लगाया कि श्वेता मेनन और अभिनेता-विधायक रमेश पिशारोडी के बीच हुई बातचीत की एक ऑडियो को राजनीतिक मकसद से मीडिया में जारी किया गया और दावा किया कि बातचीत के कुछ हिस्सों को जानबूझकर सार्वजनिक नहीं किया गया। अंसिबा हसन ने आरोप लगाया कि पूर्व कार्यकारिणी के कार्यकाल में हुई गंभीर वित्तीय अनियमितताएं ही संगठन के प्रशासनिक संकट का वास्तविक कारण हैं।

मदद

मुंबई तट के पास शनिवार को आईएनएस शिकरा से भारतीय नौसेना के सी किंग हेलीकॉप्टर ने शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के कच्चे तेल के टैंकर एमटी देश शक्ति से एक घायल नाविक को सुरक्षित बाहर निकाला।

सुभाष घई ने सरोज खान को किया याद

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की दिग्गज कोरियोग्राफर सरोज खान की पुण्यतिथि पर पूरा फिल्म जगत उन्हें याद कर रहा है। शुक्रवार को मशहूर फिल्म निर्माता सुभाष घई ने भी उन्हें भावुक श्रद्धांजलि दी। फिल्म निर्माता ने सरोज खान के साथ अपने लंबे सफर को याद करते हुए कहा कि वह सिर्फ एक कोरियोग्राफर नहीं थीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की एक 'इंस्टीट्यूशनल' थीं, जिनकी जगह कभी कोई नहीं ले सकता। दिग्गज कोरियोग्राफर सरोज खान की पुण्यतिथि पर फिल्म निर्माता सुभाष घई ने शुक्रवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भारतीय सिनेमा में सरोज खान के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी कमी हमेशा महसूस की जाएगी। सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए लिखा, प्रिय सरोज खान, भारतीय सिनेमा आपको हमेशा याद करेगा। आप एक ऐसी कोरियोग्राफर थीं, जिनमें गजब की सहज प्रतिभा और कलात्मक समझ थी। आप हर गाने में गीतकार, संगीतकार और निर्देशक की सोच का सम्मान करती थीं। खासकर मेरे और मुक्ता आर्ट्स के लिए आपका योगदान हमेशा यादगार रहेगा। हमने साथ काम किया, बहस भी की, कई बार सहमत हुए और कई बार असहमत भी, लेकिन एक निर्देशक के रूप में मेरी हर फिल्म का आप अहम हिस्सा थीं।

उन्होंने लिखा, आपकी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि आप नए कलाकारों और डांस न जानने वालों को भी बेहतरीन डांसर बना देती थीं। मुझे आज भी याद है कि आपने 'हीरो' में जैकी श्रॉफ और 'राम लखन' में माधुरी दीक्षित को किस तरह तैयार किया था। साल 1983 में फिल्म 'हीरो' के लिए शुरू किए गए पहले फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफर पुरस्कार की विजेता भी आप ही थीं। इसके बाद का इतिहास सभी जानते हैं। आप हमेशा एक महान कोरियोग्राफर और शानदार इंसान के रूप में याद की जाएंगी।सरोज खान, जिन्हें प्यार से 'मास्टरजी' कहा जाता था, का 3 जुलाई 2020 को 71 वर्ष की उम्र में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया था।तीन बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकीं सरोज खान ने अपने लंबे करियर में 2,000 से अधिक गानों की कोरियोग्राफी की। उनके यादगार गीतों में 'बेटा' का 'धक-धक करने लगा', 'तेजाब' का 'एक दो तीन' और 'मिस्टर इंडिया' का 'हवा हवाई' शामिल हैं।कोरियोग्राफर के रूप में उनकी आखिरी फिल्म 'कलंक' थी, जिसमें माधुरी दीक्षित नजर आई थीं। उनके निधन पर अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान समेत फिल्म जगत की कई हस्तियों ने शोक व्यक्त किया था।

पश्चिम एशिया में मध्यस्थता को लेकर पाकिस्तान से भारत की तुलना अनुचित : दोरईस्वामी

बीजिंग/भाषा। चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोरईस्वामी ने पश्चिम एशिया संघर्ष में मध्यस्थता को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी तुलना को शनिवार को खारिज करते हुए कहा कि देशों को स्वयं तय करना चाहिए कि ऐसा करना उनके हित में है या नहीं। दोरईस्वामी ने वैश्विक नेतृत्व में भारत की भूमिका और ईरान-अमेरिका संघर्ष में मध्यस्थता के पाकिस्तान के प्रयासों के बारे में एक चीनी पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा, ''अगर मैं थोड़ा स्पष्ट रूप से कहूं तो पाकिस्तान के साथ तुलना थोड़ा अनुचित है। मेरा मानना है कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं आपको बहुत कुछ बता देंगी।''

दोरईस्वामी ने यहां चीन के सिंघुआ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विश्व शांति मंच' को संबोधित करते हुए कहा, ''हमें देशों को इस आधार पर देखना चाहिए कि वे वास्तव में क्या हैं और वे व्यापक वैश्विक व्यवस्था में वास्तव में क्या कर रहे हैं।'' दोरईस्वामी ने कहा, ''दुनिया के साथ भारत का जुड़ाव उस स्तर पर है, जिसकी बराबरी अधिकतर देश नहीं कर सकते।'' उन्होंने कहा, इसमें यूरोपीय और एशियाई देशों के साथ आर्थिक एकीकरण का विचार तथा शांति एवं सुरक्षा से जुड़े व्यापक मुद्दों में योगदान देने की हमारी इच्छा शामिल है।'' दोरईस्वामी ने कहा, ''हम यह सब करने के लिए तैयार हैं। जहां तक मध्यस्थता का सवाल है, तो प्रत्येक देश को यह तय करना है कि इससे उसकी व्यापक राष्ट्रीय स्थिति को कोई लाभ होता है या नहीं।'' उन्होंने कहा, ''हमने अतीत में अपनी ओर से ऐसा किया है।'' उन्होंने कहा कि ''उन्हें नहीं लगता कि इस समय इससे हमें किसी खास तरह का लाभ होगा।'' उन्होंने ईरान और यूक्रेन संघर्षों पर भारत एवं चीन के रुख के बीच समानता का उल्लेख करते हुए यह बात कही। दोरईस्वामी ने कहा, ''जहां तक मैं देखता हूं, पश्चिम एशिया और यहां तक कि पूर्वी यूरोप में हाल के संकटों पर हमारा रुख चीन के रुख से काफी मिलता-जुलता रहा है।'' राजदूत ने कहा कि उन्हें चीन या भारत में से कोई भी देश वास्तव में आगे बढ़कर मध्यस्थता की ''पेशकश करता'' नहीं दिखता। दोरईस्वामी ने इससे पहले संरक्षणवाद और वैश्विक शासन विषय पर चर्चा में भाग लिया।

समय के साथ बदल रही हैं टीवी की कहानियां : ईशा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

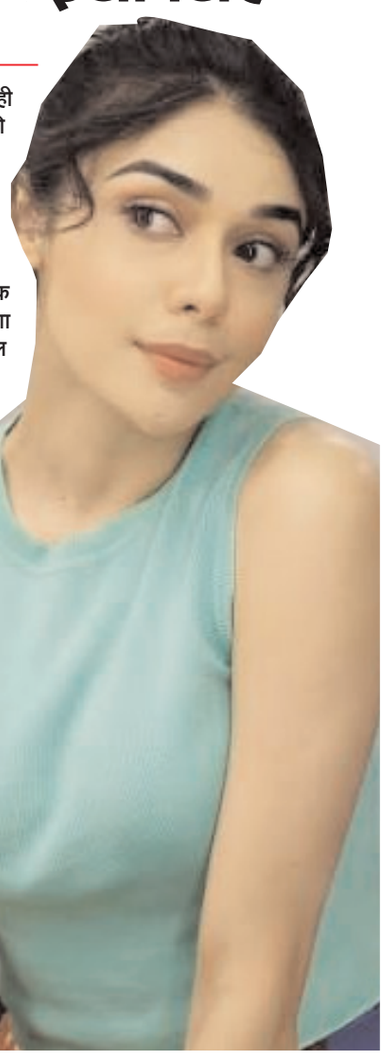

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने नए सीरियल 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरियल में वह एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो ऑटिज्म से जुड़ी चुनौतियों के बीच अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करती है। इसी बीच ईशा सिंह ने से टेलीविजन की बदलती कहानियों, दर्शकों की नई पसंद और समाज से जुड़े विषयों पर अपनी राय पेश की। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल मनोरंजन करना ही काफी नहीं है, बल्कि शो के जरिए लोगों को जागरूक करना भी उतना ही जरूरी हो गया है। से बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, ''समय के साथ टीवी की दुनिया तेजी से बदल रही है। पहले जहां सीरियल्स में केवल पारिवारिक रिश्तों और मनोरंजन पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, वहीं अब ऐसे विषयों को भी जगह मिल रही है जो समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। आज के दर्शक पहले से ज्यादा जागरूक हैं और वे ऐसी कहानियां देखना पसंद करते हैं, जिनसे उन्हें कुछ नया सीखने को मिले। यही वजह है कि निर्माता और लेखक भी अब ऐसे विषय चुन रहे हैं जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करें।'' उन्होंने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी टेलीविजन की कहानियों को नई दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा रही है। अब वही शो ज्यादा पसंद किए जाते हैं, जिनमें मनोरंजन के साथ मैसेज भी हो। आखिरकार टीवी पर वही दिखाया जाता है जिसे दर्शक देखना चाहते हैं। अगर लोगों की पसंद बदलती है तो कार्यक्रमों की कहानियां भी बदलना स्वाभाविक है, इसलिए आज ऐसे विषयों पर काम किया जा रहा है जो समाज के अलग-अलग वर्गों से जुड़े हों और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ा सकें।''

हर परिवार को आज भी तुलसी जैसी शख्सियत की जरूरत : स्मृति ईरानी

मुंबई/एजेन्सी

टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने सालों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। अब यह लोकप्रिय शो अपनी कहानी में 10 साल की बड़ी छलांग के साथ एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। इस मौके पर तुलसी का किरदार निभाने वाली स्मृति ईरानी ने अपने अनुभव और इस किरदार की अहमियत को लेकर दिल की बात साझा की। स्मृति ईरानी ने कहा, ''अपने अभिनय करियर में मुझे कई तरह की तारीफें मिली हैं, लेकिन सबसे खास बात तब लगती है जब लोग कहते हैं कि तुलसी उन्हें अपनी मां, दादी या नानी की याद दिलाती है। यह किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ा सम्मान होता है, क्योंकि इसका मतलब है कि दर्शकों ने उस किरदार को अपने परिवार का हिस्सा मान लिया। सालों बाद भी लोग तुलसी को उसी अपनापन और सम्मान के साथ याद करते हैं। यह इस किरदार की सबसे बड़ी सफलता है।'' स्मृति ने कहा, ''समय कितना भी बदल जाए, लेकिन हर परिवार में किसी न किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत हमेशा रहती है जो रिश्तों को जोड़ने का काम करे। परिवार में मतभेद और परेशानियां आना सामान्य बात है, लेकिन उन्हें बढ़ाने के बजाय प्यार और समझदारी से सुलझाना ज्यादा जरूरी होता है। तुलसी हमेशा वही इंसान रही जिसने लोगों की बातें सुनीं, उन्हें समझने की कोशिश की और परिवार को एकजुट रखने के लिए हर संभव प्रयास किया।''

उन्होंने शो में आए 10 साल के लीप को लेकर भी अपनी उत्सुकता जाहिर की। स्मृति ने कहा, नई कहानी में तुलसी एक ऐसे परिवार में लौटती है, जो पहले से काफी बदल चुका है। समय के साथ रिश्तों में दूरियां बढ़ गई हैं, कई नए मतभेद पैदा हो गए हैं और परिवार के सदस्यों के बीच पहले जैसी नजदीकियां नहीं रहीं। हालांकि, तुलसी का विश्वास अब भी पहले जैसा ही मजबूत है। वह मानती है कि हर रिश्ते को एक और मौका मिलना चाहिए और अगर लोग दिल से कोशिश करें तो बिखरे हुए परिवार भी फिर से एक हो सकते हैं।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा, ''तुलसी की सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह किसी भी समस्या का सिर्फ एक ही समाधान नहीं मानती। हर पीढ़ी की अपनी सोच, अपनी परेशानियां और अपनी चुनौतियां होती हैं। ऐसे में हर स्थिति को धैर्य, संवेदनशीलता और समझदारी से संभालने की जरूरत होती है। तुलसी हमेशा लोगों को समझने और उन्हें साथ लेकर चलने में विश्वास करती है, इसलिए यह किरदार आज भी लोगों के दिलों से जुड़ा हुआ है।''

स्मृति ने आगे कहा, ''तुलसी का पूरा सफर आसान नहीं रहा। इस किरदार ने कई मुश्किल दौर देखे, परिवार में उतार-चढ़ाव आए और कई ऐसे मौके भी आए जब रिश्तों की परीक्षा हुई। लेकिन हर बार उम्मीद, विश्वास और माफी ने कहानी को आगे बढ़ाया। यही बातें इस किरदार को खास बनाती हैं और यही वजह है कि दर्शक आज भी तुलसी से खुद को जोड़ पाते हैं।'' स्मृति ने उम्मीद जताई कि शो के इस नए अध्याय में भी दर्शकों को अपनी जिंदगी और अपने परिवार की झलक देखने को मिलेगी। नई कहानी में कई ऐसे मोड़ होंगे जो लोगों को चौंकाएंगे, लेकिन इसका मूल संदेश वही रहेगा जो शुरुआत से रहा है- परिवार, विश्वास, माफी और उम्मीद।

गांधीनगर में 'एक शाम तुलसी के नाम' धम्मजागरण आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ युवक परिषद, गांधीनगर द्वारा मुनिश्री विनीत कुमार जी एवं आकाश कुमार जी के सान्निध्य में शनिवार को आचार्यश्री तुलसी के 30वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर 'एक शाम तुलसी के नाम धम्म जागरण'का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुनिश्री विनीत कुमार जी ने आचार्यश्री तुलसी के तप, त्याग, दूरदृष्टि, अणुव्रत आंदोलन तथा मानवता के प्रति उनके अविस्मरणीय अवदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। धम्म जागरण के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद की भजन मंडली-प्रज्ञा संगीत सुधा के सदस्यों व अन्य गायकों ने गुरुभक्ति एवं धर्मभावना से ओत-प्रोत भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अभातेयुप के संगठन मंत्री रोहित कोठारी, परिषद के अध्यक्ष विनोद कोठारी, उपाध्यक्ष विक्रम सेठिया एवं प्रदीपकुमार चोपड़ा, सहमंत्री पुनीत आच्छा, कोषाध्यक्ष अंकित छाजेड़ सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। मंत्री विवेक मरोठी ने सभी को धन्यवाद दिया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में लाभान्वित हुए 48 लोग

चिक्कबलापुर/दक्षिण भारत। शहर के महावीर जैन संघ व प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में 273वां निशुल्क नेत्र जांच शिविर जैन स्थानक में सम्पन्न हुआ। संघ के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी ने बताया कि इस शिविर में डॉ नरपत सोलंकी आई अस्पताल की टीम ने 48 लोगों की आंखों की जांच की जिसमें से चयनीत 32 मरीजों की शल्य चिकित्सा जैन मिशन अस्पताल में डॉ नरपत सोलंकी द्वारा की गई।

आडुगोडी में आयोजित हुआ 'महासभा हमारे द्वार' कार्यक्रम

बेंगलूरु।/दक्षिण भारत तेरापंथी महासभा के 'महासभा आपके द्वार' संगठन यात्रा के अंतर्गत सभा प्रभारी नसनति मुथा शनिवार को तेरापंथ भवन, आडुगोडी पहुंचे। आडुगोडी सभा के अध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी ने सभी का स्वागत किया। सभा प्रभारी नवनीत मुथा ने कहा कि आडुगोडी सभा एक जागरूक एवं सक्रिय सभा है। उन्होंने आवश्यकतानुसार सभा संचालन के लिए सभा संचालिका एवं श्रावक संदेशिका पुस्तक का उपयोग करने का निवेदन किया एवं महासभा के सभी आयोजनों एवं महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने आगामी भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के समापन में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। अध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी ने सभा द्वारा संचालित आध्यात्मिक एवं गठनात्मक गतिविधियों, प्रतिनिधि सम्मेलन में सहभागिता, ज्ञानशाला, सामायिक तथा अन्य सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। जिज्ञासा समाधान सत्र में मंत्री राजेन्द्र कुमार पोकरना, सहमंत्री पंकज सुराना द्वारा रखे गए सुझावों एवं जिज्ञासाओं का प्रभारी ने समाधान किया। राजेन्द्र पोकरना ने संचालन किया तथा उपाध्यक्ष संतोषकुमार नोलखा ने सभी को धन्यवाद दिया।

राजाजीनगर तेरापंथ भवन में गूंजे 'तुलसी के गीत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री तुलसी के 30वें महाप्रयाण दिवस के अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद, राजाजीनगर के तत्वावधान में 'एक शाम तुलसी के नाम धम्म जागरण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तेयुप के अध्यक्ष राजेश देरासरिया ने सभी का स्वागत किया। भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम के सदस्यों सहित अशोक गांधी व रेणु कोठारी द्वारा आचार्यश्री तुलसी के गुणगान से ओतप्रोत अनेक भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा प्रेरणादायी प्रस्तुतियाँ रहीं। बच्चों ने आचार्य श्री तुलसी के जीवन-दर्शन, नैतिक मूल्यों एवं जैन संस्कारों का मनोहारी चित्रण कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष मदनलाल बोराणा एवं मंत्री चंद्रेश मांडोत ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में सभा परिवार, महिला मंडल व तेयुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे। मंच संचालन मंत्री जयंतीलाल गांधी ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण पत्रिका लेखन

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन(जीतो)नॉर्थ चैप्टर फाउंडेशन के गांधीनगर स्थित नए अत्याधुनिक कार्यालय के आगामी उद्घाटन समारोह हेतु आमंत्रण पत्रिका लेखन का शुभारंभ विधि विधान से हुआ। इस अवसर पर उद्घाटन समारोह की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

विधि विधान से सम्पन्न हुई शंखेश्वर पार्श्वनाथ परमात्मा की प्रतिष्ठा, उमड़े श्रद्धालु

सोलस-2 के शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय ट्रस्ट ने व्यक्त की कृतज्ञता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय ट्रस्ट, सोलस-2 में गच्छाधिपति जैनाचार्य युगभूषणसूरीश्वरजी (पंडित महाराज), आचार्यश्री अरिहंत सागरजी एवं अनेक साधु साध्वियों की निश्रा में अंजनशलाका महोत्सव के तहत शनिवार को शंखेश्वर पार्श्वनाथ परमात्मा की पावन प्रतिष्ठा का महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। ट्रस्टी कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि शनिवार को प्रातःकाल की वेला में संपूर्ण जिनालय परिसर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

संतों के मुखारविंद से गूंजते नवकार महामंत्र और मंत्रोच्चार के बीच परमात्मा श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ की प्रतिमा, गौतम स्वामी, नाकोड़ा भैरव, अम्बिका माता, पद्मावती माता और अन्य प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा की गई। जैसे ही प्रतिष्ठा की मुख्य विधि संपन्न हुई, पूरा परिसर ॐ 'पुण्याहाम पुण्याहाम, प्रियंताम प्रियंताम' के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। प्रतिष्ठा के पश्चात परमात्मा की अष्ट प्रकारी पूजा, घृत में परमात्मा का मुख मण्डल देखना, सवा लाख अक्षतों से परमात्मा की गहुली(रंगोली), आरती, मंगलदीपक, कुमकुम थापा ट्रस्ट मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया।

आचार्यद्वय ने अपने मांगलिक प्रवचन में प्रभु प्रतिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि जिनालय की स्थापना और परमात्मा की प्रतिष्ठा से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है।

परमात्मा की भक्ति ही आत्मा को परमात्मा बनाने का मार्ग प्रशस्त करती है। सोलस की धरा आज इस पावन प्रतिष्ठा से धन्य हो गई है। ट्रस्टी किशोर जैन ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं और कार्यों में सहयोग प्रदान करने वाली सभी समितियों का धन्यवाद दिया। प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि प्रतिष्ठा के पश्चात बड़ी शान्ति, शाही करबा, फले चुंदड़ी, महा आरती, भक्ति संगीत और धार्मिक अनुष्ठानों ने माहौल को पूरी तरह से आनंद उल्लासमय बना दिया। सभी पदाधिकारियों ने प्रतिष्ठा संपन्न कराने के लिए सभी साधु-साध्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर चिकपेट संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सोलंकी सहित अनेक संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बालकों को हिंसा के मार्ग से बचाना, होना चाहिए हमारी प्राथमिकता : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सादनगर(तेलंगाना)। रायचूर-हैदराबाद की पदयात्रा के दौरान शनिवार को सादनगर में मानसिक हिंसा के दुष्परिणाम और उनसे बचने के उपाय विषय पर आयोजित विशेष सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हिंसा अमानवीय और अशुभ है। व्यक्ति, परिवार, समाज या राष्ट्र किसी के भी उज्वल भविष्य के लिए वह हितकर नहीं है। समाज व राष्ट्र की शांति और उन्नति के पथ पर वह सबसे बड़ी बाधा है, इसलिए हिंसा से स्वयं बचना और किशोर व युवावर्ग को अपराधों से बचाना सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन जितना हम व्यवहारिक हिंसा को टालने पर जोर देते हैं, उससे कहीं अधिक मानसिक हिंसा को दूर करना जरूरी है। मन मे छिपे आपराधिक विचार ही कभी न कभी बाहर क्रियात्मक रूप में प्रकट होते हैं। हिंसक खानपान, दुर्जन मित्र, बुरे दृश्य, गलत आदतें, संतों या सज्जनों की संगति का अभाव तथा सत्साहित्य के प्रति अरुचि आदि हिंसा को पनपने में भूमिका बनाते हैं। हिंसा के कारणों को तलाशकर उनका समुचित निवारण करना चाहिए। मन से शांत होकर ही परिवार या समाज में शांति से जीया जा सकता है।

आचार्यश्री ने कहा कि जीवन की शांति और आध्यात्मिक विकास के लिए मानसिक हिंसा को टालना अत्यंत आवश्यक है। मन में रहा हुआ क्रोध कभी न कभी बाहर फूटता है और बुरे परिणाम लाता है, इसलिए मन से शत्रुता व नकारात्मकता को दूर करने तथा उसे अहिंसा, करुणा, क्षमा, मैत्री भावना और सहनशीलता आदि गुणों से पोषित करने का निरंतर प्रयत्न करना चाहिए। हिंसा और अपराध सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बन गई हैं। पति, पत्नी, मित्र, पड़ोसी, सहपाठी, सगे भाई, एक दूसरे की हत्याएं कर रहे हैं। यह समाज के लिए भयावह स्थिति है। अपराधों की इतनी व्यापकता भूतकाल में कभी नहीं देखी गई विशेषकर बाल व किशोर वर्ग की हिंसक-आपराधिक मनोवृत्तियों को देखकर अत्यंत पीड़ा होती हैं। जिंदगियां खिलने से पहले मुरझा रही हैं। कानून और सजाओं से अपराध नहीं रुकेंगे। सामाजिक और मनोवैज्ञानिक बदलाव से ही हिंसा और अपराधों को कम किया जा सकता है। कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति के दिलीप श्रीश्रीमाल ने आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी व गणि पद्मविमलसागरजी आदि श्रमण परिवार के स्वागत किया।

भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की झांकियों बनी आकर्षण का केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद भागवत कथा में शनिवार को कथा वाचिका राजनंदिनीजी ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की दिव्य कथा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के अवतार का महत्व बताया। कथा के दौरान वासुदेव द्वारा बालकृष्ण को यमुना पार कर गोकुल ले जाने, नंद बाबा एवं यशोदा मैया के वात्सल्य तथा गोवर्धन लीला की संजीव एवं आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जन्मोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा, भजन-कीर्तन और नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष के साथ भगवान श्रीकृष्ण का स्वागत किया। पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में सराबोर दिखाई दिया और श्रद्धालु आनंदपूर्वक भक्ति में झूमते रहे। इस मौके पर संस्था के बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह, व्हाइटफ़ील्ड के अध्यक्ष आशुतोष सिंह, आयोजन सचिव संजय सिंह एवं उनकी टीम के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक महाआरती हुई एवं प्रसाद वितरण किया गया। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कथा के समापन दिवस में रविवार को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया।

माहेश्वरी महिलाएं 15 जुलाई को आयोजित करेंगी 'माहेश्वरी संकल्प मेला'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन, द्वारा इस वर्ष भी अपने पारंपरिक सेवा भाव और सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाते हुए एक प्रदर्शनी व माहेश्वरी संकल्प मेले का आयोजन 15 जुलाई को माहेश्वरी भवन में किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण और उनके सपनों को नई उड़ान देने के उद्देश्य से आयोजित इस एक दिवसीय भव्य 'माहेश्वरी संकल्प मेला' में निशुल्क प्रवेश होगा। इस आयोजन के संबंध में संगठन की सदस्याओं ने एक विशेष बैठक का आयोजन किया जिसमें संगठन द्वारा किए जा रहे विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व मानवसेवी कार्यों पर चर्चा हुई। बैठक में कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुनीता लाहोटी ने भी संगठन के कार्यों की सराहना की। सदस्याओं ने बताया कि इस वर्ष मेले में लगभग 75 विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। मेले मेंआभूषण में पारंपरिक बीकानेरी जड़ाऊ ज्वेलरी, बारीक नक्काशीदार लैब डायमंड ज्वेलरी आधुनिक ट्रेंडी परिधान और वस्त्र हस्तशिल्प और कलाकृतियां, राखी उपहार और सजावट के लिए कलात्मक वस्तुएं उपलब्धि रहेगी ।

संगठन की अध्यक्षा विजयलक्ष्मी सारड़ा एवं सचिव शोभा भूतड़ा ने बताया कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य 'महिलाओं का उत्सव मनाना और उनके सपनों को सशक्त करना' है। उन्होंने बताया कि मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही है और स्टॉल बुकिंग चालू है। महिला संगठन की सदस्याओं ने रायसोनी ज्वेलर्स जाकर लक्की ड्रा के विशेष सहयोगी बनने पर धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आध्यात्मिक भेंटवार्ता

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शुक्रवार को श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर स्थित श्री नारायणी पीठम का दौरा कर भगवान श्री लक्ष्मी नारायणी के दर्शन किए। राज्यपाल ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने श्री शक्ति अम्मा से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दोनों के बीच आध्यात्मिक एवं सामाजिक विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा भी हुई। राज्यपाल थावर चंद गहलोत के इस आध्यात्मिक दौरे को श्रद्धालुओं ने विशेष महत्व का अवसर बताया।

जौहरी के परिवार के तीन सदस्यों ने आत्महत्या की

कोप्पल। कर्नाटक के कोप्पल जिले में शनिवार को एक जौहरी के परिवार के तीन सदस्य घर में मृत पाए गए। पुलिस को आशंका है कि यह मामला सामूहिक आत्महत्या का हो सकता है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान प्रकाश रायकर (55), उनकी पत्नी प्रभा (50) और 21 वर्षीय बेटे शशांक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रकाश की गंगावती कस्बे में आभूषण की दुकान थी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तीनों की घर के अंदर फंदे से लटककर मौत होने की बात सामने आई है। कोप्पल के पुलिस अधीक्षक राम अरसिद्दी ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''मैंने, हमारी सहायता टीम, पुलिस उपाधीक्षक और अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है।'' पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों शुक्रवार रात कार से यहां आए, वाहन खड़ा किया और पीछे का दरवाजा तोड़कर घर में दाखिल हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**